राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency
Excellence in Assessment

Test Date : 16 Mar 2023 **Test Slot :** Slot 1

Subject : 25-Sanskrit

Paper I : 201-General Paper

Sl. No.1
QBID:10201001

The following table shows the percentage (%) distribution of total marks scored by Amit (a student in a class) in Test-1 and Test-2. Both Tests consist of six subjects, namely, Mathematics, Physics, Chemistry, Hindi, IT and English. Amit scored a total of 750 and 800 marks in Test-1 and Test-2, respectively. Based on the data in the table, answer the questions that follow.

Subject-wise Distribution of Marks

Subject	Distribution (%) of Marks	
	Test-1	Test-2
Mathematics	20 %	21.750 %
Physics	22 %	18.125 %
Chemistry	16 %	18.000 %
Hindi	14 %	16.250 %
IT	10 %	12.375 %
English	18 %	13.500 %

निम्नलिखित तालिका में परीक्षा (टेस्ट) 1 और परीक्षा 2 में अमित (कक्षा का एक छात्र) द्वारा प्राप्त कुल अंकों का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया है। दोनों परीक्षाओं में छः विषय नामतः गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, हिन्दी, आई टी और अंग्रेजी शामिल हैं।अमित ने परीक्षा 1 और परीक्षा 2 में क्रमशः कुल 750 और 800 अंक प्राप्त किए। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

अंकों का विषयवार वितरण

विषय	अंकों का वितरण (%)	
	परीक्षा 1	परीक्षा 2
गणित	20 %	21.750 %
भौतिकी	22 %	18.125 %
रसायन विज्ञान	16 %	18.000 %
हिन्दी	14 %	16.250 %
आई टी	10 %	12.375 %
अँग्रेजी	18 %	13.500 %

Total marks scored by Amit in Physics, Chemistry and Mathematics together in Test-2 is

1. 461
2. 463
3. 465
4. 467

(1) 1
(2) 2

(3) 3

(4) 4

अमित द्वारा परीक्षा-2 में भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में एक साथ प्राप्त किए गए कुल अंक कितने हैं?

1. 461
2. 463
3. 465
4. 467

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46901] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q1**
2[Option ID=46902]
3[Option ID=46903]
4[Option ID=46904]

Sl. No.2
QBID:10201002

The following table shows the percentage (%) distribution of total marks scored by Amit (a student in a class) in Test-1 and Test-2. Both Tests consist of six subjects, namely, Mathematics, Physics, Chemistry, Hindi, IT and English. Amit scored a total of 750 and 800 marks in Test-1 and Test-2, respectively. Based on the data in the table, answer the questions that follow.

Subject-wise Distribution of Marks

Subject	Distribution (%) of Marks	
	Test-1	Test-2
Mathematics	20 %	21.750 %
Physics	22 %	18.125 %
Chemistry	16 %	18.000 %
Hindi	14 %	16.250 %
IT	10 %	12.375 %
English	18 %	13.500 %

निम्नलिखित तालिका में परीक्षा (टेस्ट) 1 और परीक्षा 2 में अमित (कक्षा का एक छात्र) द्वारा प्राप्त कुल अंकों का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया है। दोनों परीक्षाओं में छः विषय नामतः गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, हिन्दी, आई टी और अंग्रेजी शामिल हैं।अमित ने परीक्षा 1 और परीक्षा 2 में क्रमशः कुल 750 और 800 अंक प्राप्त किए। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

अंकों का विषयवार वितरण

विषय	अंकों का वितरण (%)	
	परीक्षा 1	परीक्षा 2
गणित	20 %	21.750 %
भौतिकी	22 %	18.125 %
रसायन विज्ञान	16 %	18.000 %
हिन्दी	14 %	16.250 %
आई टी	10 %	12.375 %
अँग्रेजी	18 %	13.500 %

The difference of marks scored by Amit in Chemistry in Test-2 and that in English in Test-1 is

1. 36
2. 15
3. 9
4. 0

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

अमित द्वारा परीक्षा 2 में रसायन विज्ञान में और परीक्षा 1 में अँग्रेजी में प्राप्त किए गए अंकों का अंतर कितना है?

1. 36
2. 15
3. 9
4. 0

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46905] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q2**
2[Option ID=46906]
3[Option ID=46907]
4[Option ID=46908]

Sl. No.3
QBID:10201003

The following table shows the percentage (%) distribution of total marks scored by Amit (a student in a class) in Test-1 and Test-2. Both Tests consist of six subjects, namely, Mathematics, Physics, Chemistry, Hindi, IT and English. Amit scored a total of 750 and 800 marks in Test-1 and Test-2, respectively. Based on the data in the table, answer the questions that follow.

Subject-wise Distribution of Marks

Subject	Distribution (%) of Marks	
	Test-1	Test-2
Mathematics	20 %	21.750 %
Physics	22 %	18.125 %
Chemistry	16 %	18.000 %
Hindi	14 %	16.250 %
IT	10 %	12.375 %
English	18 %	13.500 %

निम्नलिखित तालिका में परीक्षा (टेस्ट) 1 और परीक्षा 2 में अमित (कक्षा का एक छात्र) द्वारा प्राप्त कुल अंकों का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया है। दोनों परीक्षाओं में छः विषय नामतः गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, हिन्दी, आई टी और अंग्रेजी शामिल हैं।अमित ने परीक्षा 1 और परीक्षा 2 में क्रमशः कुल 750 और 800 अंक प्राप्त किए। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

अंकों का विषयवार वितरण

विषय	अंकों का वितरण (%)	
	परीक्षा 1	परीक्षा 2
गणित	20 %	21.750 %
भौतिकी	22 %	18.125 %
रसायन विज्ञान	16 %	18.000 %
हिन्दी	14 %	16.250 %
आई टी	10 %	12.375 %
अँग्रेजी	18 %	13.500 %

The percentage rise in marks scored by Amit in IT, from Test-1 to Test-2, is

1. 25 %
2. 28 %
3. 32 %
4. 39 %

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

परीक्षा 1 की तुलना में परीक्षा 2 में अमित द्वारा आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) में प्राप्त अंकों में कितने प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई?

1. 25 %
2. 28 %
3. 32 %
4. 39 %

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46909] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q3**
2[Option ID=46910]
3[Option ID=46911]
4[Option ID=46912]

Sl. No.4
QBID:10201004

The following table shows the percentage (%) distribution of total marks scored by Amit (a student in a class) in Test-1 and Test-2. Both Tests consist of six subjects, namely, Mathematics, Physics, Chemistry, Hindi, IT and English. Amit scored a total of 750 and 800 marks in Test-1 and Test-2, respectively. Based on the data in the table, answer the questions that follow.

Subject-wise Distribution of Marks

Subject	Distribution (%) of Marks	
	Test-1	Test-2
Mathematics	20 %	21.750 %
Physics	22 %	18.125 %
Chemistry	16 %	18.000 %
Hindi	14 %	16.250 %
IT	10 %	12.375 %
English	18 %	13.500 %

निम्नलिखित तालिका में परीक्षा (टेस्ट) 1 और परीक्षा 2 में अमित (कक्षा का एक छात्र) द्वारा प्राप्त कुल अंकों का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया है। दोनों परीक्षाओं में छः विषय नामतः गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, हिन्दी, आई टी और अंग्रेजी शामिल हैं।अमित ने परीक्षा 1 और परीक्षा 2 में क्रमशः कुल 750 और 800 अंक प्राप्त किए। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

अंकों का विषयवार वितरण

विषय	अंकों का वितरण (%)	
	परीक्षा 1	परीक्षा 2
गणित	20 %	21.750 %
भौतिकी	22 %	18.125 %
रसायन विज्ञान	16 %	18.000 %
हिन्दी	14 %	16.250 %
आई टी	10 %	12.375 %
अँग्रेजी	18 %	13.500 %

The marks scored by Amit in Mathematics in Test-2 is _____ % of the marks scored by him in the same subject in Test-1.

1. 116
2. 124
3. 96
4. 86.2

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

परीक्षा (टेस्ट) 2 में अमित द्वारा गणित में प्राप्त अंक परीक्षा 1 में उसके द्वारा गणित में ही प्राप्त अंकों का कितना प्रतिशत हैं -

1. 116
2. 124
3. 96
4. 86.2

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46913] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q4**
2[Option ID=46914]
3[Option ID=46915]
4[Option ID=46916]

Sl. No.5
QBID:10201005

The following table shows the percentage (%) distribution of total marks scored by Amit (a student in a class) in Test-1 and Test-2. Both Tests consist of six subjects, namely, Mathematics, Physics, Chemistry, Hindi, IT and English. Amit scored a total of 750 and 800 marks in Test-1 and Test-2, respectively. Based on the data in the table, answer the questions that follow.

Subject-wise Distribution of Marks

Subject	Distribution (%) of Marks	
	Test-1	Test-2
Mathematics	20 %	21.750 %
Physics	22 %	18.125 %
Chemistry	16 %	18.000 %
Hindi	14 %	16.250 %
IT	10 %	12.375 %
English	18 %	13.500 %

निम्नलिखित तालिका में परीक्षा (टेस्ट) 1 और परीक्षा 2 में अमित (कक्षा का एक छात्र) द्वारा प्राप्त कुल अंकों का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया है। दोनों परीक्षाओं में छः विषय नामतः गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, हिन्दी, आई टी और अंग्रेजी शामिल हैं।अमित ने परीक्षा 1 और परीक्षा 2 में क्रमशः कुल 750 और 800 अंक प्राप्त किए। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

अंकों का विषयवार वितरण

विषय	अंकों का वितरण (%)	
	परीक्षा 1	परीक्षा 2
गणित	20 %	21.750 %
भौतिकी	22 %	18.125 %
रसायन विज्ञान	16 %	18.000 %
हिन्दी	14 %	16.250 %
आई टी	10 %	12.375 %
अँग्रेजी	18 %	13.500 %

The marks scored by Amit in Physics in both tests together is approximately _____ % more than the marks scored by him in Hindi in both tests together.

1. 35
2. 27
3. 30
4. 32

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

अमित द्वारा दोनों परीक्षाओं में भौतिकी में प्राप्त अंक दोनों परीक्षाओं में उसके द्वारा हिन्दी में प्राप्त अंक से लगभग __ प्रतिशत अधिक है।

1. 35
2. 27
3. 30
4. 32

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46917] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q5**
2[Option ID=46918]
3[Option ID=46919]
4[Option ID=46920]

Sl. No.6
QBID:10201006

Which of the following is not the characteristics of learning?

1. Change in behaviour is relatively enduring.
2. Learning does not necessarily imply improvement.
3. Learning involves reconstruction of experiences.
4. Learning necessarily implies development in right direction.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में कौन अधिगम की विशेषता नहीं है?

1. व्यवहार में परिवर्तन सापेक्षतः संवहनीय है।
2. अधिगम में आवश्यक रूप से सुधार अंतर्निहित नहीं होता है।
3. अधिगम में अनुभवों की पुनर्रचना संलग्न होती है।
4. अधिगम, सही दिशा में आवश्यक रूप से विकास को अंतर्निहित करता है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46921] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q6**
2[Option ID=46922]
3[Option ID=46923]
4[Option ID=46924]

Sl. No.7
QBID:10201007

In 'ADDIE' Model of instructional design 'A' stands for:

1. Argue
2. Analyze
3. Amplify
4. Apply

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

अनुदेशात्मक प्रकल्प के 'ADDIE' मॉडल में 'A' का अभिप्राय है:

1. तर्क करना
2. विश्लेषण करना
3. वर्धन करना
4. अनुप्रयोग करना

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46925] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q7**
2[Option ID=46926]
3[Option ID=46927]
4[Option ID=46928]

Sl. No.8
QBID:10201008

Given below are two statements:

Statement I: The basic function of illustrative case studies is to make unfamiliar familiar and to give readers a common language about the topic in question.

Statement II: The basic function of exploratory case studies is to collect the past studies that allow for greater generalization without additional cost or time being extended on new possibly repetitive studies.

In light of the above statements, choose the ***most appropriate*** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : दृष्टांतकारी केस अध्ययनों का मूलभूत/ आधारभूत कार्य अज्ञात को ज्ञात कराना और प्रश्नागत विषय के बारे में पाठकों के लिए समान भाषा प्रदान करना हैं।

कथन - II : समन्वेषी केस अध्ययनों का आधारभूत / मूलभूत कार्य नए संभावी आवर्तक अध्ययनों पर अतिरिक्त लागत या समय के बिना पूर्व अध्ययनों का संग्रह करना है जो अधिक साधारणीकरण को स्वीकार्य करते हैं।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46929] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q8**
2[Option ID=46930]
3[Option ID=46931]
4[Option ID=46932]

Sl. No.9
QBID:10201009

Given below are two statements:

Statement I: The channels of Swayam Prabha are uplinked from BISAG-N Gandhinagar.

Statement II: In Swayam Prabha everyday, there will be a new content for atleast 5 hours which would be repeated four more times a day, allowing the students to choose the time of their convenience.

In light of the above statements, choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : स्वयं प्रभा के चैनलों को बी आई एस ए जी - एन (BISAG-N) गांधीनगर से जोड़ा गया है।

कथन - II : स्वयं प्रभा में प्रतिदिन न्यूनतम 5 घंटे के लिए एक नई विषयवस्तु होगी जिसकी प्रतिदिन चार बार पुनरावृत्ति की जाएगी ताकि विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार समय का चयन कर सकें।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46933] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q9**
2[Option ID=46934]
3[Option ID=46935]
4[Option ID=46936]

Sl. No.10
QBID:10201010

Which of the following is the National coordinator for SWAYAM for Management Studies?

1. IIM Bangalore
2. IIM Ahmedabad
3. IIM Calcutta
4. IIM Indore

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में कौन प्रबंधन अध्ययन के लिए स्वयं (SWAYAM) का राष्ट्रीय समन्वयक है ?

1. आई आई एम बैंगलोर
2. आई आई एम अहमदाबाद
3. आई आई एम कोलकाता
4. आई आई एम इंदौर

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46937] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q10**
2[Option ID=46938]
3[Option ID=46939]
4[Option ID=46940]

Sl. No.11
QBID:10201011

In the context of hypothesis testing using paired t-test, if n is the number of pairs in the two related samples, the degree of freedom is

1. 2n - 1
2. 2n - 2
3. n - 1
4. n

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

युग्मित t-परीक्षण के प्रयोग से परिकल्पना परीक्षण के संदर्भ में यदि n दो संबंधित प्रतिदर्शों में युग्मों की संख्या है तो स्वतंत्रता की कोटि है:

1. 2n-1
2. 2n-2
3. n-1
4. n

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46941] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q11**
2[Option ID=46942]
3[Option ID=46943]
4[Option ID=46944]

Sl. No.12
QBID:10201012

Answers to which among the following questions can be found in the 'Introduction' section of a research paper?

A. What were the patterns of behaviours among participants?

B. What do we know about this topic from previous research?

C. What do the results mean?

D. What are the authors trying to demonstrate in their research?

E. How do your results relate to other kinds of research?

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. B and E only
3. A, D and E only
4. B and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

शोध पत्र के प्रस्तावना भाग में निम्नलिखित प्रश्नों में से कौन-से प्रश्नों के उत्तर पाये जा सकते हैं?

A. प्रतिभागियों के व्यवहार के प्रतिमान क्या थे?

B. इस शोध विषय पर पूर्व शोधों से क्या जानकारी प्राप्त है।

C. इसके निष्कर्षों का क्या अर्थ है ?

D. अपने शोध में लेखक क्या प्रदर्शित करने के प्रयास कर रहे हैं ?

E. आपके शोध के निष्कर्ष अन्य दूसरे शोध के प्रकारों से कैसे संबंधित हैं?

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, B और C
2. केवल B और E
3. केवल A, D और E
4. केवल B और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46945] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q12**
2[Option ID=46946]
3[Option ID=46947]
4[Option ID=46948]

Sl. No.13
QBID:10201013

Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A): The quality of research publications in peer reviewed journals is generally better than those in the journals where the process of peer review is absent.

Reason (R): The chances of obvious errors or other problems getting detected or corrected before publication in peer reviewed journals are same as in other journals where peer review is not followed.

In light of the above statements, choose the ***most appropriate*** answer from the options given below:

1. Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).
2. Both (A) and (R) are correct and (R) is **NOT** the correct explanation of (A).
3. (A) is correct but (R) is not correct.
4. (A) is not correct but (R) is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : समकक्षी (पीयर) समीक्षित जर्नलों में शोध प्रकाशनों की गुणवत्ता सामान्यता उन जर्नलों में प्रकाशित शोध प्रकाशनों की गुणवत्ता से बेहतर हैं जिनमें समकक्षी (पीयर) समीक्षा नहीं की जाती हैं।

कारण (R) : समकक्षी (पीयर) समीक्षित जर्नलों में प्रकाशन से पहले प्रकट त्रुटियों या अन्य दूसरी समस्याओं को चिन्हित या संशोधित करने के अवसर अन्य दूसरे जर्नलों में जहां समकक्षी (पीयर) समीक्षा नहीं की जाती है, समान होते हैं।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
4. (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46949] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q13**
2[Option ID=46950]
3[Option ID=46951]
4[Option ID=46952]

Sl. No.14
QBID:10201014

The degree to which observed values/scores are free from errors of measurement, refers to

1. Reliability
2. Content Validity
3. Construct Validity
4. Criterion Validity

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

प्रेक्षित मान/ अंक जिस मात्रा/ कोटि तक मापन त्रुटि से मुक्त होते हैं, उसे किससे संबंधित कहा जाता है?

1. विश्वसनीयता से
2. विषयवस्तु की वैधता से
3. संरचना वैधता से
4. वैधता मानदंड से

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46953] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q14**
2[Option ID=46954]
3[Option ID=46955]
4[Option ID=46956]

Sl. No.15
QBID:10201015

One of the many common abbreviations used in research reports is 'n.d.'. It means

1. no date
2. no data
3. no details
4. non descript

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

शोध प्रतिवेदनों में अनेक सामान्य संक्षेपाक्षरों में एक संक्षेपाक्षर 'n.d.' का प्रयोग किया जाता है। इसका अर्थ है

1. तिथि रहित
2. आंकड़ा रहित
3. विवरण रहित
4. साधारण

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46957] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q15**
2[Option ID=46958]
3[Option ID=46959]
4[Option ID=46960]

Sl. No.16
QBID:10201016

Which of the following is an exclusive element identified by Wilbur Schramm in the process of mass communication?

1. Sender
2. Receiver
3. Channel
4. Field of experience

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

जनसंप्रेषण की प्रक्रिया में निम्नलिखित कौन से अनन्य तत्व को विल्बर श्राम द्वारा चिन्हित किया गया है?

1. प्रेषक
2. प्राप्तकर्ता
3. चैनल
4. अनुभव का क्षेत्र

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46961] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q16**
2[Option ID=46962]
3[Option ID=46963]
4[Option ID=46964]

Sl. No.17
QBID:10201017

In communication, content filters are known as

1. Monitors
2. Foremen
3. Content guards
4. Gatekeepers

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

संप्रेषण में, अंतर्वस्तु-निस्यंदक (कंटेंट फिल्टर्स) को इस रूप में जानते है:

1. मॉनीटर
2. फोरमेन
3. कंटेंट गार्ड (अंतर्वस्तु रखवाला)
4. गेट कीपर (द्वार-रक्षक)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46965] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q17**
2[Option ID=46966]
3[Option ID=46967]
4[Option ID=46968]

Sl. No.18
QBID:10201018

The main features of the interactional model of communication are:

A. It is best suited for new media.

B. The feedback is done in circles.

C. It is associated with the concept of field of experience.

D. This model is also known as convergence model.

E. Here the communication always happens between two familiar persons.

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. B, C and D only
3. A, C and D only
4. C, D and E only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

संप्रेषण के अन्योन्य क्रियात्मक प्रतिरूप (मॉडल) की मुख्य विशेषताएं हैं:-

A. यह नव-मीडिया के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है।

B. प्रतिपुष्टि चक्रीय (वृत्ताकार) ढंग में की जाती है।

C. यह अनुभव-क्षेत्र की अवधारणा से संबंधित है।

D. यह मॉडल अभिसरण मॉडल के रूप में भी जाना जाता है।

E. इसमें संप्रेषण सदैव दो परिचित व्यक्तियों के मध्य होता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल A, C और D
4. केवल C, D, और E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46969] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q18**
2[Option ID=46970]
3[Option ID=46971]
4[Option ID=46972]

Sl. No.19
QBID:10201019

Given below are two statements:

Statement I: Of all the types of communication, interpersonal communication is the most effective.

Statement II: Human factors in direct communication are the greatest influencers as they carry the element of credibility.

In light of the above statements, choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : संप्रेषण के सभी प्रकारों में अन्तरवैयक्तिक संप्रेषण सर्वाधिक प्रभावी होता है।

कथन - II : प्रत्यक्ष संप्रेषण में मानवीय कारक सर्वाधिक प्रभावी होते हैं क्योंकि इनमें विश्वसनीयता का तत्व विद्यमान होता है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46973] Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q19
2[Option ID=46974]
3[Option ID=46975]
4[Option ID=46976]

Sl. No.20
QBID:10201020

Given below are two statements:

Statement I: Too much of media communication has necessitated the need for media.

Statement II: The audience fragmentation and media literacy are unrelated areas of mass communication.

In light of the above statements, choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : अत्यधिक मीडिया संप्रेषण ने मीडिया की आवश्यकता को जरूरी बना दिया है।

कथन - II : श्रोतागण / दर्शक विखंडन और मीडिया साक्षरता जन-संप्रेषण के असंबंधित क्षेत्र हैं।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46977] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q20**
2[Option ID=46978]
3[Option ID=46979]
4[Option ID=46980]

Sl. No.21
QBID:10201021

Simple interest accrued on a sum of certain principal is Rs.1200 in 4 years at the rate of 8 % per annum. What would be the simple interest accrued on the thrice of the amount of the principal at the rate of 6 % per annum in 3 years?

1. Rs. 2025
2. Rs. 2125
3. Rs. 2000
4. Rs. 2150

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

किसी मूलधन की धनराशि पर 8 % प्रतिवर्ष की दर से 4 वर्षों में प्राप्त साधारण ब्याज 1200 रुपये है। उसी मूलधन की धनराशि के तिगुने पर 6 % प्रतिवर्ष की दर से 3 वर्षों में प्राप्त होने वाला साधारण ब्याज कितना होगा?

1. 2025 रुपये
2. 2125 रुपये
3. 2000 रुपये
4. 2150 रुपये

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=46981] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q21**
2[Option ID=46982]
3[Option ID=46983]
4[Option ID=46984]

Sl. No.22
QBID:10201022

The sum of 15 terms of an AP (Arithmetic Progression) series is 600 and the difference between any two consecutive terms is 5. Find the first term of the series.

1. 5
2. 7
3. 8
4. 9

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

एक समांतर श्रेणी (ए पी) श्रृंखला के 15 पदों का योगफल 600 है और किन्ही दो क्रमागत पदों के मध्य का अंतर 5 है। इस श्रृंखला का प्रथम पद ज्ञात कीजिए।

1. 5
2. 7
3. 8
4. 9

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46985] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q22**
2[Option ID=46986]
3[Option ID=46987]
4[Option ID=46988]

Sl. No.23
QBID:10201023

Average age of a Group of 40 boys is 15 years. A boy of age 20 years leaves the group and a new boy joins the group. If the average age of the new group becomes 15.2 years, then find the age of the new boy.

1. 20 years
2. 22 years
3. 25 years
4. 28 years

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

40 लड़कों के एक समूह की औसत आयु 15 वर्ष है। 20 वर्ष की आयु का एक लड़का इस समूह को छोड़ देता है और एक नया लड़का समूह में शामिल होता है। यदि नए समूह की औसत आयु 15.2 वर्ष हो जाती है, तो नए शामिल हुए लड़के की आयु ज्ञात कीजिए।

1. 20 वर्ष
2. 22 वर्ष
3. 25 वर्ष
4. 28 वर्ष

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=46989] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q23**
2[Option ID=46990]
3[Option ID=46991]
4[Option ID=46992]

Sl. No.24
QBID:10201024

A two digit number has 3 in its unit's place and the sum of the two digits of the number is 1/7 of the number itself. Find the number.

1. 73
2. 63
3. 83
4. 93

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

किसी दो अंक की संख्या में इकाई स्थान पर 3 है और संख्या के दो अंकों का योग उस संख्या का 1/7 होता है। संख्या ज्ञात कीजिए।

1. 73
2. 63
3. 83
4. 93

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=46993] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q24**
2[Option ID=46994]
3[Option ID=46995]
4[Option ID=46996]

Sl. No.25
QBID:10201025

In a certain coded language 'ORANGE' is coded as 'QUESML'. How APPRICOT will be written in that language code?

1. CSSOWJCW
2. CSWTOJWC
3. CSTWOJWC
4. CSSWOJWC

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

किसी निश्चित कूटबद्ध भाषा में 'ORANGE' को 'QUESML' के रूप में कूटबद्ध किया गया है। उसी कूट भाषा में APPRICOT को कैसे लिखा जाएगा?

1. CSSOWJCW
2. CSWTOJWC
3. CSTWOJWC
4. CSSWOJWC

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=46997] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q25**

2[Option ID=46998]
3[Option ID=46999]
4[Option ID=47000]

Sl. No.26
QBID:10201026

"Mr.Arun's new car is silver grey, has grey leather upholstery and gives excellent mileage. Mr.Varma's new car is also silver grey and has grey leather upholstery to match. I am sure Mr.Varma's car must be equally good with fuel efficiency too." Which of the following fallacy is committed in the above argument?

1. Amphiboly
2. Weak analogy
3. Slippery slope
4. Straw Man

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

"मिस्टर अरुन की नई कार रजत-धूसर (सिल्वर ग्रे) रंग की है जिसमें धूसर रंग की गद्देदार चमड़े की कुर्सी लगी है और शानदार मील-दूरी(माइलेज) देने वाली है। मिस्टर वर्मा की नई कार भी रजत-धूसर (सिल्वर ग्रे) रंग की है और इसमें धूसर रंग की गद्देदार चमड़े की कुर्सी लगी है। मुझे विश्वास है मिस्टर वर्मा की कार भी ईंधन कुशलता में उसके समान ही होगी।" उपरोक्त कथन में निम्नलिखित कौन-सा तर्कदोष है?

1. वाक्यछल तर्कदोष
2. कमजोर सादृश्य (वीक एनॉलाजी)
3. फिसलनयुक्त ढलान (स्लिपरी स्लोप)
4. घास-पुतला तर्कदोष (स्ट्रॉमैन)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47001] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q26**
2[Option ID=47002]
3[Option ID=47003]
4[Option ID=47004]

Sl. No.27
QBID:10201027

If the statement "Some golf players are not rich persons", is given as false which of the following statements can be inferred to be true?

A. All golf players are rich persons.

B. Some golf players are rich persons.

C. No golf players are rich persons.

D. Some rich persons are golf players .

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and D only
2. B and C only
3. A, B and D only
4. A, B and C only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

यदि कथन "कुछ गोल्फ खिलाड़ी धनी व्यक्ति नहीं हैं" असत्य के रूप में दिया गया है। तो निम्नलिखित कौन-से कथन सत्य के रूप में अनुमानित किये जा सकते हैं -

A. सभी गोल्फ खिलाड़ी धनी व्यक्ति हैं।

B. कुछ गोल्फ खिलाड़ी धनी व्यक्ति हैं।

C. कोई भी गोल्फ खिलाड़ी धनी व्यक्ति नहीं है।

D. कुछ धनी व्यक्ति गोल्फ खिलाड़ी हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और D
2. केवल B और C
3. केवल A, B और D
4. केवल A, B और C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47005] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q27**
2[Option ID=47006]
3[Option ID=47007]
4[Option ID=47008]

Sl. No.28
QBID:10201028

Which of the following propositions are so related that one is the denial or negation of the other?

A. All electrical vehicles are environment friendly transportation medium.

B. Some electrical vehicles are environment friendly transportation medium.

C. No electrical trains are environment friendly transportation medium.

D. Some electrical vehicles are not environment friendly transportation medium.

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and C only
2. A and D only
3. B and D only
4. C and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौन-सी प्रतिज्ञप्तियाँ इस प्रकार से संबंधित हैं कि जिनमें एक, दूसरे का खंडन अथवा निषेध है?

A. सभी इलेक्ट्रिक वाहन पर्यावरण अनुकूल परिवहन के साधन हैं।

B. कुछ इलेक्ट्रिक वाहन पर्यावरण अनुकूल परिवहन के साधन हैं।

C. कोई भी इलेक्ट्रिक ट्रेन पर्यावरण अनुकूल परिवहन का साधन नहीं है।

D. कुछ इलेक्ट्रिक वाहन पर्यावरण अनुकूल परिवहन के साधन नहीं हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और C
2. केवल A और D
3. केवल B और D
4. केवल C और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47009] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q28**
2[Option ID=47010]
3[Option ID=47011]
4[Option ID=47012]

Sl. No.29
QBID:10201029

Which of the following statements are equivalent?

A. All plants are living organisms.

B. No plants are non-living organisms.

C. Some plants are living organisms.

D. All non-living organisms are non- plants .

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B and D only
2. A and C only
3. B, C and D only
4. C and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित कौन-से कथन समतुल्य हैं?

A. सभी पौधे सजीव हैं।

B. कोई भी पौधा गैर-सजीव नहीं है।

C. कुछ पौधे सजीव हैं।

D. सभी गैर-सजीव, गैर पौधे हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, B और D
2. केवल A और C
3. केवल B, C और D
4. केवल C और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47013] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q29**
2[Option ID=47014]
3[Option ID=47015]
4[Option ID=47016]

Sl. No.30
QBID:10201030

"There is smoke on the distant hill. Since smoke is always accompanied by fire, the hill must have fire too." Which of the following corresponds to the middle term (hetu) in the above argument?

1. Fire
2. Hill
3. Fiery Hill
4. Smoke

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

"दूर स्थित पर्वत पर धुआँ है। क्योंकि जहाँ धुआँ होता है वहाँ सदैव आग होती है; इसलिए पर्वत पर अवश्य ही आग होनी चाहिए।" उपरोक्त युक्ति में निम्नलिखित में से कौन-मध्य पद (हेतु) के साथ समरूपता रखता है?

1. आग
2. पर्वत
3. अग्निमय पर्वत
4. धुआँ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47017] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q30**
2[Option ID=47018]
3[Option ID=47019]
4[Option ID=47020]

Sl. No.31
QBID:10201031

Sunita has a number of files of different sizes that contain her work. In this context, which of the following statements are TRUE?

A. 47 kilobytes is larger than 10 megabytes.

B. 250 bytes is smaller than 0.5 megabytes.

C. 50 gigabytes is larger than 100 megabytes.

D. 1 Terabyte is smaller than 4 gigabytes.

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and B only
2. B and C only
3. C and D only
4. A and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

सुनीता के पास भिन्न-भिन्न आकार वाली अनेक फ़ाइलें है जिनमें उनके काम रखे हैं। इस संदर्भ में निम्न में से कौन से कथन सही हैं?

A. 47 किलोबाइट 10 मेगाबाइट से अधिक है

B. 250 बाइट 0.5 मेगाबाइट से कम है

C. 50 गीगाबाइट 100 मेगाबाइट से अधिक है।

D. 1 टेराबाइट 4 गीगाबाइट से कम है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और B
2. केवल B और C
3. केवल C और D
4. केवल A और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47021] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q31**
2[Option ID=47022]
3[Option ID=47023]
4[Option ID=47024]

Sl. No.32
QBID:10201032

A teacher creates a presentation to advertise the Annual Sports Day. Which of the following show features that allow navigation around a presentation?

A. Master page

B. Hyperlinks

C. Animations

D. Hotspots

E. Slide numbers

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and B only
2. C and D only
3. A and C only
4. B and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

एक शिक्षक ने वार्षिक खेल दिवस को विज्ञापित करने के लिए एक प्रस्तुति बनाई। निम्न में से कौन-कौन उन विशिष्टताओं को दर्शाते हैं जो प्रस्तुति का दिक्चालन करने की अनुमति देते हैं?

A. मास्टर पेज

B. हाइपरलिंक

C. एनिमेशन

D. हॉट-स्पाट्स

E. स्लाइड नंबर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और B
2. केवल C और D
3. केवल A और C
4. केवल B और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47025] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q32**
2[Option ID=47026]
3[Option ID=47027]
4[Option ID=47028]

Sl. No.33
QBID:10201033

Given below are two statements:

Statement I: All the courses through SWAYAM platform are interactive, prepared by the best teachers in India and are available free of cost to the learners.

Statement II: NCTE is a National coordinator of SWAYAM for Under Graduate education.

In light of the above statements, choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : 'स्वयं' प्लेटफार्म के माध्यम से प्रस्तुत सभी पाठ्यक्रम अंतःक्रियात्मक हैं, भारत के सर्वोत्तम शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए हैं और शिक्षार्थियों को निःशुल्क उपलब्ध हैं।

कथन - II : एन सी टी ई पूर्व-स्नातकीय शिक्षा हेतु "स्वयं" की राष्ट्रीय समन्वयक है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47029] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q33**
2[Option ID=47030]
3[Option ID=47031]
4[Option ID=47032]

Sl. No.34
QBID:10201034

Which one of the following acronyms is matched incorrectly with their full form?

1. PNG - Portable Nested Graphics
2. GIF - Graphics Interchange Format
3. CSV - Comma Separated Values
4. MIDI - Musical Instrument Digital Interface

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौन सा संक्षिप्त नाम अपने पूर्ण नाम के साथ गलत रूप में मिलाया गया है?

1. पी एन जी - पोर्टेबल नेस्टिड ग्राफिक्स
2. जी आई एफ - ग्राफिक्स इंटरचेंज फॉर्मेट
3. सी एस वी - कौमा सेपेरेटेड वैल्यूज
4. एम आई डी आई - म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट डिजिटल इंटरफेस

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47033] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q34**
2[Option ID=47034]
3[Option ID=47035]
4[Option ID=47036]

Sl. No.35
QBID:10201035

Tania connects the computer to her home network. The computer has a MAC address and an IP address. Identify the correct order of the following terms A-E to complete the paragraph given below about MAC address and IP address:

A MAC address is a media access _____ address. A network device has a _____ MAC address that helps to _____ the device in the network. An IP address is an Internet _____ address and it can be static or _____.

A. Control

B. Dynamic

C. Identification

D. Protocol

E. Unique

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. E, A, C, D, B
2. A, E, C, D, B
3. C, A, E, B, D
4. A, E, B, D, C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

तान्या ने कंप्यूटर को अपने गृह नेटवर्क के साथ जोड़ा है। कंप्यूटर का एम ए सी एड्रैस है और एक आई पी एड्रैस है। एम ए सी एड्रैस और आई पी एड्रैस के संबंध में निम्न गद्यांश को पूरा करने के लिए निम्न पदों A-E के सही अनुक्रम की पहचान कीजिए:

एम ए सी एड्रैस एक मीडिया अभिगम _____ एड्रैस है। नेटवर्क उपकरण में एक _____ एम ए सी एड्रैस होता है जो नेटवर्क में उपकरण की _____ में सहायता करता है। आई पी एड्रैस एक इंटरनेट _____ एड्रैस होता है और यह अचल अथवा _____ हो सकता है।

A. नियंत्रण

B. गतिशील

C. अभिज्ञान

D. प्रोटोकॉल

E. अनन्य

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. E, A, C, D, B
2. A, E, C, D, B
3. C, A, E, B, D
4. A, E, B, D, C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47037] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q35**
2[Option ID=47038]
3[Option ID=47039]
4[Option ID=47040]

Sl. No.36
QBID:10201036

Which one of the following is not a constituent of photochemical smog?

1. Ozone (O_3)
2. Peroxyacetyl Nitrate (PAN)
3. Dioxins
4. Formaldehyde (HCHO)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौन एक प्रकाश-रासायनिक धूम कोहरे का संघटक नहीं है?

1. ओज़ोन (O_3)
2. परआक्सिएसिटाइल नाइट्रेट (PAN)
3. डाइआक्सिन्स
4. फार्मेल्डिहाइड (HCHO)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47041] Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q36
2[Option ID=47042]
3[Option ID=47043]
4[Option ID=47044]

Sl. No.37
QBID:10201037

What is the correct increasing order of Global Warming Potential of following air pollutants?

A. CFC-11 (CCl_3F)

B. Nitrous Oxide (N_2O)

C. Carbon dioxide (CO_2)

D. Methane (CH_4)

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. D, C, B, A
2. A, C, D, B
3. C, D, B, A
4. C, B, D, A

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित वायु प्रदूषकों के भूमंडलीय उष्मण संभाव्यता का सही आरोही क्रम क्या है?

A. CFC - 11 (CCl_3F)

B. नाइट्रस आक्साइड (N_2O)

C. कार्बन डाईआक्साइड (CO_2)

D. मीथेन (CH_4)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. D, C, B ,A
2. A, C, D, B
3. C, D, B, A
4. C, B, D, A

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47045] Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q37
2[Option ID=47046]
3[Option ID=47047]
4[Option ID=47048]

Sl. No.38
QBID:10201038

Lead (Pb), one of the important criteria air pollutants, was widely used in petrol due to its efficacy in?

1. Antiknocking
2. Knocking
3. Catalytic Conversion
4. Lubrication

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

महत्वपूर्ण कसौटी वायु प्रदूषकों में से एक सीसा (Pb) का निम्न में से किस में प्रभावकारिता के कारण पेट्रोल में व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता था?

1. अपस्फोटकरोधी
2. अपस्फोटक
3. उत्प्रेरकी परिणमन
4. स्नेहन

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47049] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q38**
2[Option ID=47050]
3[Option ID=47051]
4[Option ID=47052]

Sl. No.39
QBID:10201039

Which one of the following wind energy rotors is mostly used for the electricity power generation?

1. Multiblade rotor
2. Propeller rotor
3. Savonious rotor
4. Darrieus rotor

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौन से पवन ऊर्जा रोटर का विद्युत ऊर्जा उत्पादन के लिए अधिकतर उपयोग किया जाता है?

1. मल्टीब्लेड रोटर
2. नोदक रोटर
3. सेवोनियस रोटर
4. डैरियस रोटर

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47053] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q39**
2[Option ID=47054]

3[Option ID=47055]
4[Option ID=47056]

Sl. No.40
QBID:10201040

The Secretariat of Convention on Biodiversity (CBD) is based in

1. Montreal, Canada
2. Rio de Janeiro, Brazil
3. Geneva, Switzerland
4. New York, United States

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

जैव विविधता संबंधी अभिसमय (सी बी डी) का सचिवालय निम्न में से कहाँ स्थित है?

1. मांट्रियल, कनाडा
2. रियो द जनेरियो, ब्राजील
3. जेनेवा, स्विटजरलैंड
4. न्यूयार्क, संयुक्त राज्य अमरीका

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=47057] Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q40
2[Option ID=47058]
3[Option ID=47059]
4[Option ID=47060]

Sl. No.41
QBID:10201041

According to NEP (2020) Higher Education Institutions (HEIs) will focus on research and innovation by setting up:

A. Holistic deveopment centres

B. Start-up incubation centres

C. Technology deveopment centres

D. Greater Industry-academic linkages

E. Centres of Performing Arts

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B, C and E only
2. B, C and D only
3. B, C, D and E only
4. A, B, C, D and E

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) के अनुसार उच्चतर शिक्षा संस्थान (एच.ई.आई.) शोध और नवाचार पर फोकस करने हेतु निम्नांकित में किनको स्थापित करेंगे।

A. समग्र विकास केंद्र

B. स्टार्ट-अप उन्द्भवन केंद्र

C. प्रौद्योगिकी विकास केंद्र

D. महत्तम उद्योग-शिक्षा संबंध

E. प्रदर्शन कला केंद्र

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, B, C और E
2. केवल B, C और D
3. केवल B, C, D और E
4. A, B, C, D और E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47061] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q41**
2[Option ID=47062]
3[Option ID=47063]
4[Option ID=47064]

Sl. No.42
QBID:10201042

Universities in Calcutta, Bombay and Madras were established through the acts of incorporation passed by which of the governor-general and viceroy, in January, 1857?

1. Lord Canning
2. Lord Curzon
3. Lord Mountbaton
4. Lord Linlithgow

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

जनवरी 1857 में, कलकत्ता, बंबई और मद्रास में विश्वविद्यालयों की स्थापना किस गवर्नर-जनरल और वायसराय द्वारा पारित स्थापन अधिनियम द्वारा की गई?

1. लार्ड केनिंग
2. लार्ड कर्जन
3. लार्ड माउंटबेटन
4. लार्ड लिंलिथगो

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47065] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q42**
2[Option ID=47066]
3[Option ID=47067]
4[Option ID=47068]

Sl. No.43
QBID:10201043

National Council of Rural Institutes (NCRI), _____ is a registered autonomous society fully funded by the Central Government.

1. Hyderabad
2. Delhi
3. Bangalore
4. Calcutta

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद (एन सी आर आई) ___ केंद्र सरकार द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित एक पंजीकृत स्वायत्त सोसायटी है।

1. हैदराबाद
2. दिल्ली
3. बैंगलोर
4. कलकत्ता

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=47069] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q43**
2[Option ID=47070]
3[Option ID=47071]
4[Option ID=47072]

Sl. No.44
QBID:10201044

As per NEP-2020, in Higher Education Institutions (HEIs), the focus areas of vocational education will be chosen based on:

A. Gender basis

B. Skill gap analysis

C. Value oriented learning

D. Mapping of local opportunities

E. Visual arts

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and C only
2. A, B and D only
3. C, D and E only
4. B and D only

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार, उच्चतर शिक्षा संस्थान किन आधारों पर व्यावसायिक शिक्षा के केंद्रिक क्षेत्रों का चयन करेंगे?

A. लैंगिक आधार

B. कौशल रिक्ति विश्लेषण

C. मूल्य उन्मुख अधिगम

D. स्थानीय अवसरों का मानचित्रण

E. दृश्य कला

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और C
2. केवल A, B और D
3. केवल C, D और E
4. केवल B और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47073] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q44**
2[Option ID=47074]
3[Option ID=47075]
4[Option ID=47076]

Sl. No.45
QBID:10201045

Given below are two statements:

Statement I: Teacher centered learning is one of main chracteristics of Non-conventional learning.

Statement II: Prescribed curriculum is one of the main characteristics of conventional learning.

In light of the above statements, choose the ***most appropriate*** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : अध्यापक केंद्रित अधिगम, गैर पारंपारिक अधिगम की मुख्य विशेषताओं में से एक है।

कथन - II : निर्धारित पाठ्यचर्या, पारंपरिक अधिगम की मुख्य विशेषताओं में से एक है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47077] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q45**
2[Option ID=47078]
3[Option ID=47079]
4[Option ID=47080]

Sl. No.46
QBID:10201046

Read the following passage and answer the questions that follow:

Malthus (1766-1834) produced his *Essay on the Principle of Population* in 1798. He said that the crux of the population problem was 'the existence of a tendency in mankind to increase, if unchecked, beyond the possibility of an adequate supply of food in a limited territory'. Malthus thought that an increased food supply was achieved mainly by bringing more land into arable production. He maintained that while the supply of food could, at best, only be increased by a constant amount in arithmetic progression the human population tends to increase in geometrical progression the human population tends to increase in geometrical progression multiplying itself by a constant amount each time. In time, population would outstrip food supply untill a catastrophe occurred in the form of famine, disease or war. War would occur as human groups fought over increasingly scarce resources. These limiting factors maintained a balance between population and resources in the long term. In a later paper, Malthus placed significant emphasis on 'moral restraint' as an important factor in controlling population.

Clearly, Malthus was influenced by events in and before the eighteenth century and could not have foreseen the great advances that were to unfold in the following two centuries that have allowed population to grow at an unprecedented rate, alongside a huge rise in the exploitation and use of resources. There have been many advances in agriculture since the time of Malthus that have contributed to huge increases in agricultural production. These advances include: the development of artificial fertilisers and pesticides, new irrigation techniques, high yielding varieties of crops, cross-breeding of cattle, greenhouse farming and the reclamation of land from the sea.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

माल्थस (1766-1834) ने 1798 में अपना *ऐसे ऑन द प्रिंसिपल ऑफ पॉपुलेशन* (जनसंख्या के सिद्धांत पर निबंध) लिखा था। उन्होंने कहा की जनसंख्या की समस्या का मर्म यह है कि यदि इसे एक सीमित भूभाग में पर्याप्त खाद्य आपूर्ति की संभावना से परे तक अनियंत्रित रखा जाए तो मानव-जाति में जनसंख्या-वृद्धि का भाव रहता है। माल्थस का विचार था कि मुख्यतः कृषि-योग्य उत्पादन में अधिक भूमि को लाकर खाद्य आपूर्ति में वृद्धि को प्राप्त किया गया। उनका मानना था की समांतर श्रेणी में एक स्थिर मात्रा द्वारा खाद्य आपूर्ति में अधिकाधिक वृद्धि की जा सकती है, जबकि मानव जनसंख्या प्रत्येक बार अपने को गुणित ढंग से गुणोत्तर श्रेणी में वृद्धि को प्रवृत्त होती है। समय के साथ जनसंख्या तब तक खाद्य आपूर्ति की तुलना में बढ़ेगी, जब तक कि दुर्भिक्ष, बीमारी या युद्ध के रूप में कोई महाविपत्ती घटित ना हो। युद्ध घटित होगा क्योंकि मानव समूह अधिकाधिक दुर्लभ हो रहे संसाधनों पर लड़ाई करते आये हैं। ये सीमाकारी कारक दीर्घकालिक दृष्टि से जनसंख्या और संसाधनों के बीच एक संतुलन बनाए रखते हैं। माल्थस ने अपने बाद के लेख में जनसंख्या पर नियंत्रण में एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में 'नैतिक संयम' पर अत्यधिक बल दिया।

स्पष्ट है की माल्थस अठारवीं शताब्दी में और उसके पूर्व की घटनाओं से प्रभावित थे और उसके बाद की दो शताब्दियों में प्रकट होने वाली उस अत्यधिक प्रगति का पूर्वानुमान नहीं लगा सकते थे, जिसने संसाधनों के दोहन एवं उपयोग में भारी वृद्धि के साथ-साथ जनसंख्या को एक अभूतपूर्व दर पर बढ़ने दिया। माल्थस के समय से कृषि में बहुत-सारी प्रगति हुई हैं, जिन्होंने कृषि उत्पादन में भारी वृद्धि में योगदान किया। इन बहुत-सारी प्रगति में सम्मिलित हैं-कृत्रिम उर्वरक एवं कीटनाशकों का विकास, नई सिंचाई तकनीक, फसलों की उच्च उपजकारी किस्में, पशुओं का संकरण, ग्रीनहाउस खेती और समुद्र से भूमि प्राप्त करना।

Given below are two statements:

Statement I: Growth in arithmetical progression is faster than that in geometrical progression.

Statement II: The only paper that Malthus came out was his Essay on the *Principle of Population*.

In light of the above statements, choose the ***most appropriate*** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : समानांतर श्रेणी में वृद्धि गुणोत्तर श्रेणी की तुलना में तीव्रतर होती है।

कथन - II : माल्थस ने अपना केवल एक लेख - *ऐसे ऑन द प्रिंसिपल ऑफ पॉपुलेशन* पर लिखा था।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47081] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q46**
2[Option ID=47082]
3[Option ID=47083]
4[Option ID=47084]

Sl. No.47
QBID:10201047

Read the following passage and answer the questions that follow:

Malthus (1766-1834) produced his *Essay on the Principle of Population* in 1798. He said that the crux of the population problem was 'the existence of a tendency in mankind to increase, if unchecked, beyond the possibility of an adequate supply of food in a limited territory'. Malthus thought that an increased food supply was achieved mainly by bringing more land into arable production. He maintained that while the supply of food could, at best, only be increased by a constant amount in arithmetic progression the human population tends to increase in geometrical progression the human population tends to increase in geometrical progression multiplying itself by a constant amount each time. In time, population would outstrip food supply untill a catastrophe occurred in the form of famine, disease or war. War would occur as human groups fought over increasingly scarce resources. These limiting factors maintained a balance between population and resources in the long term. In a later paper, Malthus placed significant emphasis on 'moral restraint' as an important factor in controlling population.

Clearly, Malthus was influenced by events in and before the eighteenth century and could not have foreseen the great advances that were to unfold in the following two centuries that have allowed population to grow at an unprecedented rate, alongside a huge rise in the exploitation and use of resources. There have been many advances in agriculture since the time of Malthus that have contributed to huge increases in agricultural production. These advances include: the development of artificial fertilisers and pesticides, new irrigation techniques, high yielding varieties of crops, cross-breeding of cattle, greenhouse farming and the reclamation of land from the sea.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

माल्थस (1766-1834) ने 1798 में अपना *ऐसे ऑन द प्रिंसिपल ऑफ पॉपुलेशन* (जनसंख्या के सिद्धांत पर निबंध) लिखा था। उन्होंने कहा की जनसंख्या की समस्या का मर्म यह है कि यदि इसे एक सीमित भूभाग में पर्याप्त खाद्य आपूर्ति की संभावना से परे तक अनियंत्रित रखा जाए तो मानव-जाति में जनसंख्या-वृद्धि का भाव रहता है। माल्थस का विचार था कि मुख्यतः कृषि-योग्य उत्पादन में अधिक भूमि को लाकर खाद्य आपूर्ति में वृद्धि को प्राप्त किया गया। उनका मानना था की समांतर श्रेणी में एक स्थिर मात्रा द्वारा खाद्य आपूर्ति में अधिकाधिक वृद्धि की जा सकती है, जबकि मानव जनसंख्या प्रत्येक बार अपने को गुणित ढंग से गुणोत्तर श्रेणी में वृद्धि को प्रवृत्त होती है। समय के साथ जनसंख्या तब तक खाद्य आपूर्ति की तुलना में बढ़ेगी, जब तक कि दुर्भिक्ष, बीमारी या युद्ध के रूप में कोई महाविपत्ती घटित ना हो। युद्ध घटित होगा क्योंकि मानव समूह अधिकाधिक दुर्लभ हो रहे संसाधनों पर लड़ाई करते आये हैं। ये सीमाकारी कारक दीर्घकालिक दृष्टि से जनसंख्या और संसाधनों के बीच एक संतुलन बनाए रखते हैं। माल्थस ने अपने बाद के लेख में जनसंख्या पर नियंत्रण में एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में 'नैतिक संयम' पर अत्यधिक बल दिया।

स्पष्ट है की माल्थस अठारवीं शताब्दी में और उसके पूर्व की घटनाओं से प्रभावित थे और उसके बाद की दो शताब्दियों में प्रकट होने वाली उस अत्यधिक प्रगति का पूर्वानुमान नहीं लगा सकते थे, जिसने संसाधनों के दोहन एवं उपयोग में भारी वृद्धि के साथ-साथ जनसंख्या को एक अभूतपूर्व दर पर बढ़ने दिया। माल्थस के समय से कृषि में बहुत-सारी प्रगति हुई हैं, जिन्होंने कृषि उत्पादन में भारी वृद्धि में योगदान किया। इन बहुत-सारी प्रगति में सम्मिलित हैं-कृत्रिम उर्वरक एवं कीटनाशकों का विकास, नई सिंचाई तकनीक, फसलों की उच्च उपजकारी किस्में, पशुओं का संकरण, ग्रीनहाउस खेती और समुद्र से भूमि प्राप्त करना।

Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A): Malthus could accurately predict the population growth that has taken place in the last two centuries.

Reason (R): He believed that food supply could be increased by bringing more land into arable production.

In light of the above statements, choose the ***most appropriate*** answer from the options given below:

1. Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).
2. Both (A) and (R) are correct and (R) is NOT the correct explanation of (A).
3. (A) is correct but (R) is not correct.
4. (A) is not correct but (R) is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : माल्थस उस जनसंख्या वृद्धि के बारे में यथार्थतः भविष्यवाणी कर पाए, जो विगत दो शताब्दियों में हुई थी।

कारण (R) : उनका मानना था कि कृषि योग्य उत्पादन में अधिक भूमि लाकर खाद्य आपूर्ति में वृद्धि की जा सकती है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
4. (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47085] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q47**
2[Option ID=47086]
3[Option ID=47087]
4[Option ID=47088]

Sl. No.48
QBID:10201048

Read the following passage and answer the questions that follow:

Malthus (1766-1834) produced his *Essay on the Principle of Population* in 1798. He said that the crux of the population problem was 'the existence of a tendency in mankind to increase, if unchecked, beyond the possibility of an adequate supply of food in a limited territory'. Malthus thought that an increased food supply was achieved mainly by bringing more land into arable production. He maintained that while the supply of food could, at best, only be increased by a constant amount in arithmetic progression the human population tends to increase in geometrical progression the human population tends to increase in geometrical progression multiplying itself by a constant amount each time. In time, population would outstrip food supply untill a catastrophe occurred in the form of famine, disease or war. War would occur as human groups fought over increasingly scarce resources. These limiting factors maintained a balance between population and resources in the long term. In a later paper, Malthus placed significant emphasis on 'moral restraint' as an important factor in controlling population.

Clearly, Malthus was influenced by events in and before the eighteenth century and could not have foreseen the great advances that were to unfold in the following two centuries that have allowed population to grow at an unprecedented rate, alongside a huge rise in the exploitation and use of resources. There have been many advances in agriculture since the time of Malthus that have contributed to huge increases in agricultural production. These advances include: the development of artificial fertilisers and pesticides, new irrigation techniques, high yielding varieties of crops, cross-breeding of cattle, greenhouse farming and the reclamation of land from the sea.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

माल्थस (1766-1834) ने 1798 में अपना *ऐसे ऑन द प्रिंसिपल ऑफ पॉपुलेशन* (जनसंख्या के सिद्धांत पर निबंध) लिखा था। उन्होंने कहा की जनसंख्या की समस्या का मर्म यह है कि यदि इसे एक सीमित भूभाग में पर्याप्त खाद्य आपूर्ति की संभावना से परे तक अनियंत्रित रखा जाए तो मानव-जाति में जनसंख्या-वृद्धि का भाव रहता है। माल्थस का विचार था कि मुख्यतः कृषि-योग्य उत्पादन में अधिक भूमि को लाकर खाद्य आपूर्ति में वृद्धि को प्राप्त किया गया। उनका मानना था की समांतर श्रेणी में एक स्थिर मात्रा द्वारा खाद्य आपूर्ति में अधिकाधिक वृद्धि की जा सकती है, जबकि मानव जनसंख्या प्रत्येक बार अपने को गुणित ढंग से गुणोत्तर श्रेणी में वृद्धि को प्रवृत्त होती है। समय के साथ जनसंख्या तब तक खाद्य आपूर्ति की तुलना में बढ़ेगी, जब तक कि दुर्भिक्ष, बीमारी या युद्ध के रूप में कोई महाविपत्ती घटित ना हो। युद्ध घटित होगा क्योंकि मानव समूह अधिकाधिक दुर्लभ हो रहे संसाधनों पर लड़ाई करते आये हैं। ये सीमाकारी कारक दीर्घकालिक दृष्टि से जनसंख्या और संसाधनों के बीच एक संतुलन बनाए रखते हैं। माल्थस ने अपने बाद के लेख में जनसंख्या पर नियंत्रण में एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में 'नैतिक संयम' पर अत्यधिक बल दिया।

स्पष्ट है की माल्थस अठारवीं शताब्दी में और उसके पूर्व की घटनाओं से प्रभावित थे और उसके बाद की दो शताब्दियों में प्रकट होने वाली उस अत्यधिक प्रगति का पूर्वानुमान नहीं लगा सकते थे, जिसने संसाधनों के दोहन एवं उपयोग में भारी वृद्धि के साथ-साथ जनसंख्या को एक अभूतपूर्व दर पर बढ़ने दिया। माल्थस के समय से कृषि में बहुत-सारी प्रगति हुई हैं, जिन्होंने कृषि उत्पादन में भारी वृद्धि में योगदान किया। इन बहुत-सारी प्रगति में सम्मिलित हैं-कृत्रिम उर्वरक एवं कीटनाशकों का विकास, नई सिंचाई तकनीक, फसलों की उच्च उपजकारी किस्में, पशुओं का संकरण, ग्रीनहाउस खेती और समुद्र से भूमि प्राप्त करना।

Given below are two statements:

Statement I: Malthus believed that population grows faster than the food supply.

Statement II: Malthus was greatly influenced by events that occured in the nineteenth century.

In light of the above statements, choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : माल्थस का मानना था कि जनसंख्या में वृद्धि खाद्य आपूर्ति की तुलना में तीव्रतर होती है।

कथन - II : माल्थस उन्नीसवीं शताब्दी में घटित घटनाओं से अत्यधिक प्रभावित थे।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47089]
2[Option ID=47090]
3[Option ID=47091]
4[Option ID=47092]

Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q48

Sl. No.49
QBID:10201049

Read the following passage and answer the questions that follow:

Malthus (1766-1834) produced his *Essay on the Principle of Population* in 1798. He said that the crux of the population problem was 'the existence of a tendency in mankind to increase, if unchecked, beyond the possibility of an adequate supply of food in a limited territory'. Malthus thought that an increased food supply was achieved mainly by bringing more land into arable production. He maintained that while the supply of food could, at best, only be increased by a constant amount in arithmetic progression the human population tends to increase in geometrical progression the human population tends to increase in geometrical progression multiplying itself by a constant amount each time. In time, population would outstrip food supply untill a catastrophe occurred in the form of famine, disease or war. War would occur as human groups fought over increasingly scarce resources. These limiting factors maintained a balance between population and resources in the long term. In a later paper, Malthus placed significant emphasis on 'moral restraint' as an important factor in controlling population.

Clearly, Malthus was influenced by events in and before the eighteenth century and could not have foreseen the great advances that were to unfold in the following two centuries that have allowed population to grow at an unprecedented rate, alongside a huge rise in the exploitation and use of resources. There have been many advances in agriculture since the time of Malthus that have contributed to huge increases in agricultural production. These advances include: the development of artificial fertilisers and pesticides, new irrigation techniques, high yielding varieties of crops, cross-breeding of cattle, greenhouse farming and the reclamation of land from the sea.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

माल्थस (1766-1834) ने 1798 में अपना *ऐसे ऑन द प्रिंसिपल ऑफ पॉपुलेशन* (जनसंख्या के सिद्धांत पर निबंध) लिखा था। उन्होंने कहा की जनसंख्या की समस्या का मर्म यह है कि यदि इसे एक सीमित भूभाग में पर्याप्त खाद्य आपूर्ति की संभावना से परे तक अनियंत्रित रखा जाए तो मानव-जाति में जनसंख्या-वृद्धि का भाव रहता है। माल्थस का विचार था कि मुख्यतः कृषि-योग्य उत्पादन में अधिक भूमि को लाकर खाद्य आपूर्ति में वृद्धि को प्राप्त किया गया। उनका मानना था की समांतर श्रेणी में एक स्थिर मात्रा द्वारा खाद्य आपूर्ति में अधिकाधिक वृद्धि की जा सकती है, जबकि मानव जनसंख्या प्रत्येक बार अपने को गुणित ढंग से गुणोत्तर श्रेणी में वृद्धि को प्रवृत्त होती है। समय के साथ जनसंख्या तब तक खाद्य आपूर्ति की तुलना में बढ़ेगी, जब तक कि दुर्भिक्ष, बीमारी या युद्ध के रूप में कोई महाविपत्ती घटित ना हो। युद्ध घटित होगा क्योंकि मानव समूह अधिकाधिक दुर्लभ हो रहे संसाधनों पर लड़ाई करते आये हैं। ये सीमाकारी कारक दीर्घकालिक दृष्टि से जनसंख्या और संसाधनों के बीच एक संतुलन बनाए रखते हैं। माल्थस ने अपने बाद के लेख में जनसंख्या पर नियंत्रण में एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में 'नैतिक संयम' पर अत्यधिक बल दिया।

स्पष्ट है की माल्थस अठारवीं शताब्दी में और उसके पूर्व की घटनाओं से प्रभावित थे और उसके बाद की दो शताब्दियों में प्रकट होने वाली उस अत्यधिक प्रगति का पूर्वानुमान नहीं लगा सकते थे, जिसने संसाधनों के दोहन एवं उपयोग में भारी वृद्धि के साथ-साथ जनसंख्या को एक अभूतपूर्व दर पर बढ़ने दिया। माल्थस के समय से कृषि में बहुत-सारी प्रगति हुई हैं, जिन्होंने कृषि उत्पादन में भारी वृद्धि में योगदान किया। इन बहुत-सारी प्रगति में सम्मिलित हैं-कृत्रिम उर्वरक एवं कीटनाशकों का विकास, नई सिंचाई तकनीक, फसलों की उच्च उपजकारी किस्में, पशुओं का संकरण, ग्रीनहाउस खेती और समुद्र से भूमि प्राप्त करना।

Malthus believed that food supply could be increased by

1. use of artificial fertilisers
2. use of pesticides
3. use of high yeilding varieties of crops
4. bringing more land into arable production

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

माल्थस के अनुसार निम्नलिखित में से किसके द्वारा खाद्य आपूर्ति में वृद्धि की जा सकती है?

1. कृत्रिम उर्वरक का उपयोग
2. कीटनाशकों का उपयोग
3. फसलों की उच्च उपजकारी किस्मों का उपयोग
4. कृषि योग्य उत्पादन में अधिक भूमि को लाकर

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47093] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q49**
2[Option ID=47094]
3[Option ID=47095]
4[Option ID=47096]

Sl. No.50
QBID:10201050

Read the following passage and answer the questions that follow:

Malthus (1766-1834) produced his *Essay on the Principle of Population* in 1798. He said that the crux of the population problem was 'the existence of a tendency in mankind to increase, if unchecked, beyond the possibility of an adequate supply of food in a limited territory'. Malthus thought that an increased food supply was achieved mainly by bringing more land into arable production. He maintained that while the supply of food could, at best, only be increased by a constant amount in arithmetic progression the human population tends to increase in geometrical progression the human population tends to increase in geometrical progression multiplying itself by a constant amount each time. In time, population would outstrip food supply untill a catastrophe occurred in the form of famine, disease or war. War would occur as human groups fought over increasingly scarce resources. These limiting factors maintained a balance between population and resources in the long term. In a later paper, Malthus placed significant emphasis on 'moral restraint' as an important factor in controlling population.

Clearly, Malthus was influenced by events in and before the eighteenth century and could not have foreseen the great advances that were to unfold in the following two centuries that have allowed population to grow at an unprecedented rate, alongside a huge rise in the exploitation and use of resources. There have been many advances in agriculture since the time of Malthus that have contributed to huge increases in agricultural production. These advances include: the development of artificial fertilisers and pesticides, new irrigation techniques, high yielding varieties of crops, cross-breeding of cattle, greenhouse farming and the reclamation of land from the sea.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

माल्थस (1766-1834) ने 1798 में अपना *ऐसे ऑन द प्रिंसिपल ऑफ पॉपुलेशन* (जनसंख्या के सिद्धांत पर निबंध) लिखा था। उन्होंने कहा की जनसंख्या की समस्या का मर्म यह है कि यदि इसे एक सीमित भूभाग में पर्याप्त खाद्य आपूर्ति की संभावना से परे तक अनियंत्रित रखा जाए तो मानव-जाति में जनसंख्या-वृद्धि का भाव रहता है। माल्थस का विचार था कि मुख्यतः कृषि-योग्य उत्पादन में अधिक भूमि को लाकर खाद्य आपूर्ति में वृद्धि को प्राप्त किया गया। उनका मानना था की समांतर श्रेणी में एक स्थिर मात्रा द्वारा खाद्य आपूर्ति में अधिकाधिक वृद्धि की जा सकती है, जबकि मानव जनसंख्या प्रत्येक बार अपने को गुणित ढंग से गुणोत्तर श्रेणी में वृद्धि को प्रवृत्त होती है। समय के साथ जनसंख्या तब तक खाद्य आपूर्ति की तुलना में बढ़ेगी, जब तक कि दुर्भिक्ष, बीमारी या युद्ध के रूप में कोई महाविपत्ती घटित ना हो। युद्ध घटित होगा क्योंकि मानव समूह अधिकाधिक दुर्लभ हो रहे संसाधनों पर लड़ाई करते आये हैं। ये सीमाकारी कारक दीर्घकालिक दृष्टि से जनसंख्या और संसाधनों के बीच एक संतुलन बनाए रखते हैं। माल्थस ने अपने बाद के लेख में जनसंख्या पर नियंत्रण में एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में 'नैतिक संयम' पर अत्यधिक बल दिया।

स्पष्ट है की माल्थस अठारवीं शताब्दी में और उसके पूर्व की घटनाओं से प्रभावित थे और उसके बाद की दो शताब्दियों में प्रकट होने वाली उस अत्यधिक प्रगति का पूर्वानुमान नहीं लगा सकते थे, जिसने संसाधनों के दोहन एवं उपयोग में भारी वृद्धि के साथ-साथ जनसंख्या को एक अभूतपूर्व दर पर बढ़ने दिया। माल्थस के समय से कृषि में बहुत-सारी प्रगति हुई हैं, जिन्होंने कृषि उत्पादन में भारी वृद्धि में योगदान किया। इन बहुत-सारी प्रगति में सम्मिलित हैं-कृत्रिम उर्वरक एवं कीटनाशकों का विकास, नई सिंचाई तकनीक, फसलों की उच्च उपजकारी किस्में, पशुओं का संकरण, ग्रीनहाउस खेती और समुद्र से भूमि प्राप्त करना।

According to Malthus's Essay on the Principle of population, human population would be kept in check by

A. war

B. moral restraint

C. famine

D. disease

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. B C and D only
3. A, C and D only
4. A, B, C and D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

माल्थस के *ऐसे ऑन द प्रिंसिपल ऑफ पॉपुलेशन* के अनुसार मानव जनसंख्या किनके द्वारा नियंत्रण में रखी जाएगी?

A. युद्ध

B. नैतिक संयम

C. अकाल (दुर्भिक्ष)

D. बीमारी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल A, C और D
4. A, B, C और D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=47097] **Question Description : dwbv_pg_gp10_eng_2_q50**
2[Option ID=47098]
3[Option ID=47099]
4[Option ID=47100]

Paper II : 25-Sanskrit

Sl. No.1
QBID:25001

उत्पन्नस्य सत्त्वस्यावधारणं निरुक्ते केन भावविकारेण क्रियते?

1. जायते
2. अस्ति
3. वर्धते
4. विपरिणमते

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47101] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q1**
2[Option ID=47102]
3[Option ID=47103]
4[Option ID=47104]

Sl. No.2
QBID:25002

'आवाहनं देवानां वहनं हविषाञ्च' इति किं कर्म?

1. इन्द्रकर्म
2. विष्णुकर्म
3. अग्निकर्म
4. रूद्रकर्म

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47105] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q2**
2[Option ID=47106]
3[Option ID=47107]
4[Option ID=47108]

Sl. No.3
QBID:25003

'यत् च अस्यां भूतानि गच्छन्ति' इति निर्वचनं वर्तते -

1. गोः
2. अश्वस्य
3. वृत्रस्य
4. वीरस्य

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47109] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q3**
2[Option ID=47110]
3[Option ID=47111]
4[Option ID=47112]

Sl. No.4
QBID:25004

प्रजापतिसूक्तम् (यजुर्वेदः, 23) कस्मिन् छन्दसि वर्तते ?

1. अनुष्टुप्छन्दसि
2. जगतीछन्दसि
3. गायत्रीछन्दसि
4. त्रिष्टुप्छन्दसि

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47113] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q4**
2[Option ID=47114]
3[Option ID=47115]
4[Option ID=47116]

Sl. No.5
QBID:25005

निरुक्ते हिरण्यनामानि सन्ति -

1. दश
2. द्वादश
3. पञ्चदश
4. सप्तदश

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47117] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q5**
2[Option ID=47118]
3[Option ID=47119]
4[Option ID=47120]

Sl. No.6
QBID:25006

"वर्णागमो वर्णविपर्ययश्च

द्वौ चापरौ वर्णविकारनाशौ....

इत्यादि कस्य विषये उच्यते?

1. निरुक्तस्य
2. शिक्षायाः
3. छन्दसः
4. व्याकरणस्य

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47121] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q6**
2[Option ID=47122]
3[Option ID=47123]
4[Option ID=47124]

Sl. No.7
QBID:25007

नक्षत्रेषु हस्तनक्षत्रस्य संख्या कतमा?

1. एकादशी
2. द्वादशी
3. त्रयोदशी
4. चतुर्दशी

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47125] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q7**
2[Option ID=47126]
3[Option ID=47127]
4[Option ID=47128]

Sl. No.8
QBID:25008

ऋग्वेदे सर्वाधिकाः मन्त्राः कस्मिन् छन्दसि वर्तन्ते ?

1. गायत्रीछन्दसि
2. जगतीछन्दसि
3. अनुष्टुप्छन्दसि
4. त्रिष्टुप्छन्दसि

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47129] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q8**
2[Option ID=47130]
3[Option ID=47131]
4[Option ID=47132]

Sl. No.9
QBID:25009

'नेक्षेतोद्यन्तमादित्यम्' इत्यत्र नञा लक्षणया प्रतिपाद्यते -

1. धात्वर्थः
2. धात्वर्थाभावः
3. धात्वर्थ विरोध्यनीक्षण सङ्कल्पः
4. यागः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47133] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q9**
2[Option ID=47134]
3[Option ID=47135]
4[Option ID=47136]

Sl. No.10
QBID:25010

'बाह्याभ्यान्तरविषयाक्षेपी चतुर्थः' - इदं सूत्रं प्रस्तौति -

1. प्रत्याहारस्य चतुर्थं प्रकारम्
2. निर्विकल्पकसमाधेः चतुर्थीम् अवस्थाम्
3. जाग्रत्स्वप्नसुषुप्त्यनवच्छिन्नं तुरीयं चैतन्यम्
4. प्राणायामस्य केवलकुम्भकाख्यं चतुर्थं प्रकारम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47137] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q10**
2[Option ID=47138]
3[Option ID=47139]
4[Option ID=47140]

Sl. No.11
QBID:25011

सत्यं कथनम् अस्ति -

1. मुक्तस्य उत्तरा बन्धकोटिः सम्भाव्यते प्रकृतिलीनस्य च पूर्वा बन्धकोटिः प्रज्ञायते।
2. मुक्तस्य पूर्वा बन्धकोटिः प्रज्ञायते प्रकृतिलीनस्य च उत्तरा बन्धकोटिः सम्भाव्यते।
3. मुक्तप्रकृतिलीनयोः कापि बन्धकोटिः न सम्भाव्यते।
4. उभयोरपि उभयकोटिः प्रज्ञायते।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47145] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q11**
2[Option ID=47146]
3[Option ID=47147]
4[Option ID=47148]

Sl. No.12
QBID:25012

शाङ्करभाष्ये 'श्रुत्यनुगमाच्च' इतीदं हेतुवाक्यं प्रवर्तते -

1. अत्र शेषषष्ठी अस्ति इत्यस्य व्यवस्थापनार्थम्
2. अत्र कर्मषष्ठी अस्ति इत्यस्य व्यवस्थापनार्थम्
3. अत्र करणषष्ठी अस्ति इत्यस्य व्यवस्थापनार्थम्
4. 'ब्रह्मजिज्ञासा' इति पदे कर्मषष्ठी वर्तते इत्यस्य व्यवस्थापनार्थम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47149] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q12**
2[Option ID=47150]
3[Option ID=47151]
4[Option ID=47152]

Sl. No.13
QBID:25013

अतीन्द्रियायाः मूलप्रकृतेः अतीन्द्रियस्य पुरुषस्य च सिद्धौ प्रमाणम् अस्ति -

1. पूर्ववत् अनुमानम्
2. शेषवत् अनुमानम्
3. सामन्यतोदृष्टम् अनुमानम्
4. दृष्टम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47153] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q13**
2[Option ID=47154]
3[Option ID=47155]
4[Option ID=47156]

Sl. No.14
QBID:25014

'कपिसंयोगी एतद्वृक्षत्वाद्', इत्यादौ मूलावच्छेदेनैव एतद्वृक्षवृत्तिकपिसंयोगाभावप्रतियोगित्वेऽपि कपिसंयोगस्य नाव्याप्तिः' - इति फलं लभ्यते, यदि हि हेत्वधिकरणवृत्तिः अभावः -

1. व्याप्तिमान् स्वीक्रियेत
2. अप्रतियोगिकः स्वीक्रियेत
3. प्रतियोगिसमानाधिकरणः स्वीक्रियेत
4. प्रतियोगिव्यधिकरणः स्वीक्रियेत

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47157] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q14**
2[Option ID=47158]
3[Option ID=47159]
4[Option ID=47160]

Sl. No.15
QBID:25015

'आत्मा भोक्ता एव न कर्त्ता' इति मतम् अस्ति -

1. मीमांसकानाम्
2. साङ्ख्यानाम्
3. अद्वैतवेदान्तिनाम्
4. लोकायतिकानाम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47161] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q15**
2[Option ID=47162]
3[Option ID=47163]
4[Option ID=47164]

Sl. No.16
QBID:25016

'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा' इत्यस्मिन् सूत्रे 'जिज्ञासा' इत्यत्र सन्वाच्यायाः इच्छायाः कर्म वर्तते -

1. ब्रह्म
2. वेदः
3. ब्रह्मावगतिपर्यन्तं ज्ञानम्
4. क्रिया

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47165] Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q16
2[Option ID=47166]
3[Option ID=47167]
4[Option ID=47168]

Sl. No.17
QBID:25017

कस्य सम्बन्धः केवलं जर्मनभाषया वर्तते -

1. ग्रासमन्-नियमस्य
2. मूर्धन्यनियमस्य
3. ग्रिमनियमस्य द्वितीयवर्णपरिवर्तनस्य
4. ग्रिमनियमस्य प्रथमवर्णपरिवर्तनस्य

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47169] Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q17
2[Option ID=47170]
3[Option ID=47171]
4[Option ID=47172]

Sl. No.18
QBID:25018

'गाथी (जर्मनिक) भाषायाः 'बिउदान' (BIUDAN), दाब्ज (DAVBS) इत्यादिरूपाणां ब् (B), द् (D) ध्वनी मूलभारोपीयभाषायां भ्, ध् इत्येवंरूपौ आस्ताम् ; विकासयात्रायां च गाथी (जर्मनिक) भाषायां तयोः ब्, द् इति रूपे परिवर्तनं ग्रिमनियमानुसारम् एव अस्ति '- इयं व्यवस्था एव ज्ञायते -

1. 'ग्रासमन्-नियमः' इति रूपेण
2. 'अपश्रुतिः' इति रूपेण
3. 'श्लेगल्-नियमः' इति रूपेण
4. 'वर्नर्नियमः' इति रूपेण

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47173] Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q18
2[Option ID=47174]
3[Option ID=47175]
4[Option ID=47176]

Sl. No.19
QBID:25019

Isolating Languages (निरवयवाः/पृथग्), Root Languages (धातुः/मूलम्) इति च शब्दस्य प्रयोगः भवति -

1. वान्तू-परिवारस्य भाषाणां कृते
2. योगात्मिकानां भाषाणां कृते
3. आस्ट्रेलियन् - परिवारस्य भाषाणां कृते
4. अयोगात्मिकानां भाषाणां कृते

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47177] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q19**
2[Option ID=47178]
3[Option ID=47179]
4[Option ID=47180]

Sl. No.20
QBID:25020

दशम्युत्तरकालं जातस्य पुत्रस्य नाम भवेत् -

1. त्र्यक्षरं पञ्चाक्षरं वा तद्धितान्तम्
2. द्वयक्षरं चतुरक्षरं वा कृदन्तम्
3. स्वरहीनं दन्त्यवर्णहीनं वा कृत्यान्तम्
4. पवर्गरहितम् अन्तःस्थवर्णयुतं वा कृदन्तम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47181] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q20**
2[Option ID=47182]
3[Option ID=47183]
4[Option ID=47184]

Sl. No.21
QBID:25021

'शेषे प्रथमः' इत्यत्र 'शेषे' इति पदस्य अभिप्रायः अस्ति -

1. कारकप्रातिपदिकार्थव्यतिरिक्ते
2. स्त्रीत्वनपुंसकत्ववर्जिते
3. एकार्थीभावव्यपेक्षारहिते
4. मध्यमोत्तमयोरविषये

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47185] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q21**
2[Option ID=47186]
3[Option ID=47187]
4[Option ID=47188]

Sl. No.22
QBID:25022

'अन्यमत्वर्थीयनिवृत्त्यर्थं वचनम्' - इत्येषा पङ्क्तिः किं सूत्रम् अधिकृत्य प्रवर्तते -?

1. रसादिभ्यश्च
2. अस्मायामेधास्रजो विनिः
3. तदस्यास्त्यस्मिन्निति मतुप्
4. मादुपधायाश्च मतोर्वोऽयवादिभ्यः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47189] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q22**
2[Option ID=47190]
3[Option ID=47191]
4[Option ID=47192]

Sl. No.23
QBID:25023

'पृष्टः मार्गं शुभाशुभं पर्यालोचयति' - इत्ययमर्थः गम्यमानः भवति -

1. 'कृष्णाय स्पृहयति' इत्यनेन
2. 'कृष्णाय राध्यति' इत्यनेन
3. 'कृष्णम् अभिद्रुह्यति' इत्यनेन
4. 'कृष्णः भार्यायै संयच्छति' इत्यनेन

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47193] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q23**
2[Option ID=47194]
3[Option ID=47195]
4[Option ID=47196]

Sl. No.24
QBID:25024

'अस्वाङ्गपूर्वपदाद्वा' इतीदं सूत्रं केन सूत्रेण प्राप्तस्य ङीषः विकल्पविधानं करोति ?

1. बहुव्रीहेश्चान्तोदात्तात्
2. जातेरस्त्रीविषयादयोपधात्
3. अजाद्यतष्टाप्
4. पुंयोगादाख्यायाम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47197] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q24**
2[Option ID=47198]
3[Option ID=47199]
4[Option ID=47200]

Sl. No.25
QBID:25025

नाट्यशास्त्रानुसारं नाट्यवृत्तयः सन्ति -

1. पञ्च
2. षट्
3. सप्त
4. अष्ट

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47201] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q25**
2[Option ID=47202]
3[Option ID=47203]
4[Option ID=47204]

Sl. No.26
QBID:25026

'अभवन् वस्तु सम्बन्ध उपमा परिकल्पकः' इति कस्यालङ्कारस्य लक्षणम् ?

1. उपमा
2. निदर्शना
3. दृष्टान्तः
4. अपह्नुतिः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47205] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q26**
2[Option ID=47206]
3[Option ID=47207]
4[Option ID=47208]

Sl. No.27
QBID:25027

'आचार्यभरतेन नाट्यप्रयोगे कः रसः न स्वीकृतः ?

1. बीभत्सः
2. अद्भुतः
3. भयानकः
4. शान्तः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47209] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q27**
2[Option ID=47210]
3[Option ID=47211]
4[Option ID=47212]

Sl. No.28
QBID:25028

" स एकस्त्रीणि जयति जयन्ति कुसुमायुधः|

हरताऽपि तनुं यस्य शम्भुना न बलं हृतम् ||" इति काव्यप्रकाशे कस्यालङ्कारस्योदाहरणम्?

1. विभावना - अलङ्कारस्य
2. विशेषोक्ति - अलङ्कारस्य
3. स्वभावोक्ति - अलङ्कारस्य
4. विरोधाभास - अलङ्कारस्य

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47213] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q28**
2[Option ID=47214]
3[Option ID=47215]
4[Option ID=47216]

Sl. No.29
QBID:25029

अधोलिखितेषु कस्मिन् काव्ये हंसविलापः प्राप्यते?

1. नैषधीयचरिते
2. बुद्धचरिते
3. रघुवंशे
4. मृच्छकटिके

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47217] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q29**
2[Option ID=47218]
3[Option ID=47219]
4[Option ID=47220]

Sl. No.30
QBID:25030

"हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकापि वा" इति सूक्तिः कस्मिन् काव्ये प्राप्यते?

1. बुद्धचरितमहाकाव्ये
2. रघुवंशमहाकाव्ये
3. किरातार्जुनीयमहाकाव्ये
4. शिशुपालवधमहाकाव्ये

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47221] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q30**
2[Option ID=47222]
3[Option ID=47223]
4[Option ID=47224]

Sl. No.31
QBID:25031

मातापितृसहस्त्राणि पुत्रदारशतानि च।

युगे युगे व्यतीतानि कस्य ते कस्य वा भवान्।। इति पद्यं कस्मिन् ग्रन्थे पठितम् अस्ति?

1. दशकुमारचरिते
2. शिवराजविजये
3. हर्षचरिते
4. कादम्बर्याम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47225] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q31**
2[Option ID=47226]
3[Option ID=47227]
4[Option ID=47228]

Sl. No.32
QBID:25032

बौद्धग्रन्थे 'ललितविस्तरे' लिपयः उल्लिखिताः -

1. 48 लिपयः
2. 55 लिपयः
3. 64 लिपयः
4. 70 लिपयः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47229] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q32**
2[Option ID=47230]
3[Option ID=47231]
4[Option ID=47232]

Sl. No.33
QBID:25033

मनुस्मृतौ 'मन्वर्थविवृतिः' टीका केन रचिता?

1. मल्लिनाथेन
2. विज्ञानेश्वरेण
3. सर्वज्ञनारायणेन
4. जीमूतवाहनेन

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47233] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q33**
2[Option ID=47234]
3[Option ID=47235]
4[Option ID=47236]

Sl. No.34
QBID:25034

'रासपञ्चाध्यायी' कस्मिन् पुराणे विद्यते?

1. पद्मपुराणे
2. ब्रह्मवैवर्तपुराणे
3. भागवतपुराणे
4. वराहपुराणे

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47237] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q34**
2[Option ID=47238]
3[Option ID=47239]
4[Option ID=47240]

Sl. No.35
QBID:25035

वाल्मीकि-रामायणे अङ्गुलीयकप्रदानवृत्तान्तः कस्मिन् काण्डे वर्तते ?

1. किष्किन्धाकाण्डे
2. सुन्दरकाण्डे
3. युद्धकाण्डे
4. उत्तरकाण्डे

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47241] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q35**
2[Option ID=47242]
3[Option ID=47243]
4[Option ID=47244]

Sl. No.36
QBID:25036

कौटिलीय-अर्थशास्त्रे षष्ठे अधिकरणे प्रतिपादितम् -

1. अध्यक्षप्रचारः
2. षाड्गुण्यम्
3. कण्टकशोधनम्
4. मण्डलयोनिः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47245] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q36**
2[Option ID=47246]
3[Option ID=47247]
4[Option ID=47248]

Sl. No.37
QBID:25037

कौटिलीय-अर्थशास्त्रे साङ्ग्रामिकं कस्मिन् अधिकरणे वर्णितम्?

1. सप्तमे
2. नवमे
3. दशमे
4. द्वादशे

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47249] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q37**
2[Option ID=47250]
3[Option ID=47251]
4[Option ID=47252]

Sl. No.38
QBID:25038

'महाभारतस्य समीक्षात्मकं संस्करणम्' इयं संस्था प्रकाशितवती-

1. निर्णयसागरमुद्रणालयः, मुम्बई
2. भाण्डारकरप्राच्यविद्यासंस्थानम्, पुणे
3. प्राच्यविद्यासंस्थानम्, बडौदा
4. कुप्पूस्वामिशास्त्रिशोधसंस्थानम्, चेन्नई

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47253] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q38**
2[Option ID=47254]
3[Option ID=47255]
4[Option ID=47256]

Sl. No.39
QBID:25039

याज्ञवल्क्यमैत्रेयीसंवादः कुत्र प्राप्यते?

1. यजुर्वेदे
2. उपनिषदि
3. रामायणे
4. सामवेदे

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47257] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q39**
2[Option ID=47258]
3[Option ID=47259]
4[Option ID=47260]

Sl. No.40
QBID:25040

पञ्चमहायज्ञेषु परिगण्यते -

A. भूतयज्ञः

B. योगयज्ञः

C. ब्रह्मयज्ञः

D. द्रव्ययज्ञः

E. कल्पयज्ञः

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, D केवलम्
3. A, C केवलम्
4. D, E केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47261] Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q40
2[Option ID=47262]
3[Option ID=47263]
4[Option ID=47264]

Sl. No.41
QBID:25041

ब्राह्मणग्रन्थानां प्रतिपाद्यम् अस्ति -

A. वृद्धिः

B. विधिः

C. गुणः

D. प्रत्याहारः

E. अर्थवादः

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. C, D केवलम्
4. B, E केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47265] Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q41
2[Option ID=47266]
3[Option ID=47267]
4[Option ID=47268]

Sl. No.42
QBID:25042

गणेषु 'सर्वलघुः' गणः कः?

1. भगणः
2. सगणः
3. नगणः
4. जगणः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47269] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q42**
2[Option ID=47270]
3[Option ID=47271]
4[Option ID=47272]

Sl. No.43
QBID:25043

कौटिल्यानुसारं मन्त्रस्य अङ्गानि क्रमेण योजनीयानि

A. विनिपातप्रतीकारः

B. देशकालविभागः

C. पुरुषद्रव्यसंपद्

D. आरम्भोपायः

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. D, C, B, A
2. C, D, A, B
3. A, B, D, C
4. D, B, A, C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47273] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q43**
2[Option ID=47274]
3[Option ID=47275]
4[Option ID=47276]

Sl. No.44
QBID:25044

सामवेदेन सम्बद्धम् अस्ति -

A. प्रश्नोपनिषद्

B. याज्ञवल्क्यशिक्षा

C. लाट्यायनश्रौतसूत्रम्

D. वैतानश्रौतसूत्रम्

E. छान्दोग्योपनिषद्

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. C, D केवलम्
4. C, E केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47277] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q44**
2[Option ID=47278]
3[Option ID=47279]
4[Option ID=47280]

Sl. No.45
QBID:25045

अन्तरिक्षस्थानीयदेवताः चिनुत -

A. सूर्यः

B. वायुः

C. अग्निः

D. इन्द्रः

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. B, D केवलम्
4. A, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47281] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q45**
2[Option ID=47282]
3[Option ID=47283]
4[Option ID=47284]

Sl. No.46
QBID:25046

एकबुद्धिविषयभूतसूक्ष्मशरीरसमष्टि-उपहितं चैतन्यम् उच्यते -

A. सूत्रात्मा

B. समाहृतिः

C. प्रतियोगी

D. प्राणः

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. B, D केवलम्
2. A, D केवलम्
3. A, C केवलम्
4. C, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47285] Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q46
2[Option ID=47286]
3[Option ID=47287]
4[Option ID=47288]

Sl. No.47
QBID:25047

षड्विधसन्निकर्षेषु नास्ति -

A. प्रतियोगिता

B. समवेतसमवायः

C. अनुयोगिता

D. विशेषणविशेष्यभावः

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. B, D केवलम्
2. A, B केवलम्
3. C, D केवलम्
4. B, A केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47289] Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q47
2[Option ID=47290]
3[Option ID=47291]
4[Option ID=47292]

Sl. No.48
QBID:25048

अथातो ब्रह्मजिज्ञासा इति सूत्रे

'अथ' शब्दस्य धर्मजिज्ञासानन्तर्यमर्थः न ग्रहणीय :-

A. धर्मजिज्ञासानन्तरं ब्रह्मजिज्ञासायाः असम्भवात्

B. धर्मजिज्ञासायाः ब्रह्मजिज्ञासान्तरभावित्वात्

C. धर्मजिज्ञासायाः प्रागपि अधीतवेदान्तस्य ब्रह्मजिज्ञासोपपत्तेः

D. चोदनाप्रवृत्तिभेदात्

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. C, D केवलम्
2. A, B केवलम्
3. B, C केवलम्
4. C, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47293] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q48**
2[Option ID=47294]
3[Option ID=47295]
4[Option ID=47296]

Sl. No.49
QBID:25049

एकाग्रभूमौ विद्यमानः समाधि :-

A. सद्भूतम् अर्थं प्रद्योतयति

B. शून्यतत्त्वं निषेधति

C. रजोमात्रावशेषः भवति

D. कर्मबन्धनानि श्लथयति

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, D केवलम्
3. A, D केवलम्
4. A, C केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47297] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q49**
2[Option ID=47298]
3[Option ID=47299]
4[Option ID=47300]

Sl. No.50
QBID:25050

बन्धस्य प्रकारः अस्ति -

A. अनुभवबन्धः

B. स्मृतिबन्धः

C. प्रदेशबन्धः

D. समाहरबन्धः

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, C केवलम्
2. B, D केवलम्
3. C, D केवलम्
4. B, C केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47301] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q50**
2[Option ID=47302]
3[Option ID=47303]
4[Option ID=47304]

Sl. No.51
QBID:25051

एकत्वशाली निष्क्रियः द्रव्यस्य देशान्तरप्राप्तिहेतुश्च वर्तते -

A. जीवास्तिकायः

B. अधर्मास्तिकायः

C. आकाशास्तिकायः

D. धर्मास्तिकायः

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. B, D केवलम्
2. C, D केवलम्
3. A, B केवलम्
4. B, C केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47305] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q51**
2[Option ID=47306]
3[Option ID=47307]
4[Option ID=47308]

Sl. No.52
QBID:25052

आर्धधातुकसञ्ज्ञाविधायकं सूत्रम् अस्ति -

A. लिट् च

B. लिङाशिषि

C. लृट् शेषे च

D. लोट् च

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, C केवलम्
2. A, B केवलम्
3. B, D केवलम्
4. C, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47309] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q52**
2[Option ID=47310]
3[Option ID=47311]
4[Option ID=47312]

Sl. No.53
QBID:25053

'रूप्यः' इत्यत्र 'यप्' प्रत्ययस्य अर्थः अस्ति -

A. गतिः

B. आहतम्

C. प्रशंसा

D. ऐश्वर्यम्

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, D केवलम्
3. B, C केवलम्
4. C, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47313] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q53**
2[Option ID=47314]
3[Option ID=47315]
4[Option ID=47316]

Sl. No.54
QBID:25054

येषां धातूनामण्यन्तावस्थायाः कर्त्ता ण्यन्तावस्थायां कर्म भवति तेषु परिगणिताः न सन्ति -

A. शब्दकर्मकधातवः

B. भक्षणार्थकधातवः

C. चित्तवत्कर्तृकधातवः

D. प्रहारार्थकधातवः

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. C, D केवलम्
3. A, C केवलम्
4. B, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47317] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q54**
2[Option ID=47318]
3[Option ID=47319]
4[Option ID=47320]

Sl. No.55
QBID:25055

महाभारतस्याष्टादशसु पर्वसु इदं द्वादशतमं पर्व भवति -

1. अनुशासनपर्व
2. सौप्तिकपर्व
3. द्रोणपर्व
4. शान्तिपर्व

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47321] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q55**
2[Option ID=47322]
3[Option ID=47323]
4[Option ID=47324]

Sl. No.56
QBID:25056

सांख्यमतानुसारम् अस्ति -

अभिकथनम् - विपर्ययभेदाः पञ्च भवन्ति

हेतुः - करणवैकल्यात् भवन्ति

यथोचितम् उत्तरं चिनुत -

1. उभये कथने सत्ये स्तः हेतुः च समुचितः
2. उभये कथने सत्ये किन्तु हेतुः न समुचितः
3. प्रथमं कथनं सत्यं किन्तु द्वितीयम् असत्यम्
4. प्रथमं कथनं असत्यम् किन्तु द्वितीयम् सत्यम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47325] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q56**
2[Option ID=47326]
3[Option ID=47327]
4[Option ID=47328]

Sl. No.57
QBID:25057

भासरचिते रूपके स्तः -

A. बालचरितम्

B. वेणीसंहारम्

C. पञ्चरात्रम्

D. मालतीमाधवम्

E. शारिपुत्रप्रकरणम्

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, C केवलम्
2. B, C केवलम्
3. C, D केवलम्
4. D, E केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47329] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q57**
2[Option ID=47330]
3[Option ID=47331]
4[Option ID=47332]

Sl. No.58
QBID:25058

रघुवंशस्य पद्यचरणं चिनुत -

A. तं सन्तः श्रोतुमर्हन्ति

B. दुदोह गां स यज्ञाय

C. असक्तमाराधयतो यथायथम्

D. स यौवराज्ये नवयौवनोद्धतम्

E. प्रमाणमन्तःकरणः प्रवृत्तयः

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. A, D केवलम्
4. B, E केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47333] Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q58
2[Option ID=47334]
3[Option ID=47335]
4[Option ID=47336]

Sl. No.59
QBID:25059

विवक्षितवाच्यध्वनेः भेदौ स्तः -

A. अर्थान्तरसंक्रमितम्

B. अत्यंततिरस्कृतम्

C. संलक्ष्यक्रमव्यङ्ग्यम्

D. असंलक्ष्यक्रमव्यङ्ग्यम्

E. काक्वाक्षिप्तव्यङ्ग्यम्

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. C, D केवलम्
2. A, B केवलम्
3. C, D केवलम्
4. D, E केवलम्

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=47337] Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q59
2[Option ID=47338]
3[Option ID=47339]
4[Option ID=47340]

Sl. No.60
QBID:25060

मम्मटस्य कथनम् अस्ति -

A. रसादिलक्षणस्त्वर्थः स्वप्नेऽपि न वाच्यः

B. वाक्यं स्याद् योग्यताकाङ्क्षासत्तियुक्तः पदोच्चयः

C. तेऽप्यतात्पर्यज्ञास्तात्पर्यवाचोयुक्तेर्देवानां प्रियाः

D. तेनैवंविधासु विमतिषु स्थितासु सहृदयमनः प्रीतये तत्स्वरूपं ब्रूमः

E. संसारे कालिदासप्रभृतयो द्वित्राः पञ्चषा वा महाकवय इति गण्यन्ते

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, D केवलम्
2. A, C केवलम्
3. B, D केवलम्
4. D, E केवलम्

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=47341] Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q60
2[Option ID=47342]
3[Option ID=47343]
4[Option ID=47344]

Sl. No.61
QBID:25061

बिल्हणकवेः रचने स्तः -

A. विक्रमाङ्कदेवचरितकाव्यम्

B. नागानन्दं नाटक

C. चौरपञ्चाशिखागीतिकाव्यम्

D. रावणवधमहाकाव्यम्

E. नवसाहसाङ्कचरितम्

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, D केवलम्
2. B, E केवलम्
3. C, D केवलम्
4. A, C केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47345] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q61**
2[Option ID=47346]
3[Option ID=47347]
4[Option ID=47348]

Sl. No.62
QBID:25062

कौटिल्यस्य कथनम् अस्ति -

A. दर्शने प्रत्यये दाने प्रातिभाव्यं विधीयते

B. सुविज्ञातप्रणीतो हि दण्डः प्रजा धर्मार्थकामैर्योजयति

C. श्रुताद्धि प्रज्ञोपजायते प्रज्ञाया योगो योगादात्मवत्तेति विद्यासामर्थ्यम्

D. अनारोग्यम् अनायुष्यम् अस्वर्ग्यं चातिभोजनम्

E. संयमे यत्नमातिष्ठेद् विद्वान् यन्तेव वाजिनाम्

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. C, D केवलम्
4. D, E केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47349] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q62**
2[Option ID=47350]
3[Option ID=47351]
4[Option ID=47352]

Sl. No.63
QBID:25063

अधोलिखितेषु पुराणलक्षणे चिनुत -

A. सर्गः

B. मन्वन्तरम्

C. निसर्गः

D. प्रत्ययः

E. कल्पः

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, E केवलम्
2. A, B केवलम्
3. C, D केवलम्
4. A, C केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47353] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q63**
2[Option ID=47354]
3[Option ID=47355]
4[Option ID=47356]

Sl. No.64
QBID:25064

अधोलिखितेषु महाभारतस्य टीकाकारौ चिनुत -

A. देवबोधः

B. वैद्यनाथदीक्षितः

C. नारायणसर्वज्ञः

D. श्रीधरः

E. महेश्वरतीर्थः

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. C, D केवलम्
3. C, E केवलम्
4. A, C केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47357] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q64**
2[Option ID=47358]
3[Option ID=47359]
4[Option ID=47360]

Sl. No.65
QBID:25065

अधोलिखिते कथने पठित्वा समुचितम् उत्तरं चिनुत -

कथनम् । - विश्वभाषाणां वर्गीकरणं द्विधा क्रियते-आकृतिमूलक पारिवारिकमूलकं च|

कथनम् ॥ - चीनीभाषा आकृतिमूलक-योगात्मकवर्गीकरणे स्वीक्रियते

यथोचितम् उत्तरं चिनुत -

1. उभय कथने सत्ये स्तः
2. उभय कथने असत्ये स्तः
3. प्रथमं कथनं सत्यं किन्तु द्वितीयं कथनम् असत्यम् अस्ति
4. प्रथमं कथनं असत्यं किन्तु द्वितीयं कथनम् सत्यम् अस्ति

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47361] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q65**
2[Option ID=47362]
3[Option ID=47363]
4[Option ID=47364]

Sl. No.66
QBID:25066

याज्ञवल्क्यमतम् अस्ति -

A. प्रणेतुं शक्यते दण्डः सुसहायेन धीमता

B. आधौ प्रतिग्रहे क्रीते पूर्वा तु बलवत्तरा

C. अन्ययां पृथिवीं भुक्ते सर्वभूतहिते रतः

D. आगमेऽपि बलं नैव भुक्तिः स्तोकापि यत्र नो

यथोचितम् उत्तरं चिनुत -

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. A, D केवलम्
4. B, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47365] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q66**
2[Option ID=47366]
3[Option ID=47367]
4[Option ID=47368]

Sl. No.67
QBID:25067

अधोलिखितेषु उपाख्यानेषु के द्वे महाभारतस्य वनपर्वणि प्राप्येते?

A. नलोपाख्यानम्

B. सावित्री-उपाख्यानम्

C. शाकुन्तलोपाख्यानम्

D. ययाति-उपाख्यानम्

E. सगरोपाख्यानम्

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B Only
2. B, C Only
3. C, D Only
4. D, E Only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47369] Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q67
2[Option ID=47370]
3[Option ID=47371]
4[Option ID=47372]

Sl. No.68
QBID:25068

अधोलिखिते कारिके पठित्वा उत्तरं चिनुत-

कथनम्। :- "चतुर्वर्गफलास्वादमप्यतिक्रम्य तद्विदाम्।

काव्यामृतरसेनान्तश्चमत्कारो वितन्यते।।" इति वक्रोक्तिजीवितकारः कथयति

कथनम्॥ :- "चतुर्वर्गफलप्राप्तिः सुखादल्पधियामपि।

काव्यादेव यतस्तेन तत्स्वरूपं निरूप्यते।।" इति भामहस्य मतम्

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. प्रथमम् एवं द्वितीयं कथनम् सत्यम्
2. प्रथमम् एवं द्वितीयं कथनम् असत्यम्
3. प्रथम कथनम् सत्यम् एवं द्वितीयम् असत्यम्
4. प्रथम कथनम् असत्यम् एवं द्वितीयम् सत्यम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47373] Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q68
2[Option ID=47374]
3[Option ID=47375]
4[Option ID=47376]

Sl. No.69
QBID:25069

मनुस्मृतिमतम् अस्ति -

A. बालोऽपि नाऽवमन्तव्यो मनुष्य इति भूमिपः

B. त्रय्या हि रक्षितो लोकः प्रसीदति न सीदति

C. सर्वः साक्षी संग्रहणे चौर्यपारुष्यसाहसे

D. दण्डः शास्ति प्रजाः सर्वा दण्ड एवाभिरक्षति

E. तस्मात् स्वधर्मं भूतानां राजा न व्यभिचारयेत्

यथोचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. C, E केवलम्
4. A, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47377] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q69**
2[Option ID=47378]
3[Option ID=47379]
4[Option ID=47380]

Sl. No.70
QBID:25070

समुचितं मेलयत -

सूची I (मन्त्रांशाः)	सूची II (सूक्तानि)
A. प्राणाद् वायुरजायत	I. अक्षसूक्तम्
B. पिता माता भ्रातर एनमाहुः	II. अग्निसूक्तम्
C. वर्धमानं स्वे दमे	III. पुरुषसूक्तम्
D. अहं जनाय समदं कृणोमि	IV. वाक्सूक्तम्

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. A-I, B-III, C-IV, D-II
2. A-III, B-I, C-II, D-IV
3. A-I, B-II, C-IV, D-III
4. A-I, B-IV, C-III, D-I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47381] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q70**
2[Option ID=47382]
3[Option ID=47383]
4[Option ID=47384]

Sl. No.71
QBID:25071

समुचितं मेलयत -

सूची I	सूची II
A. देवताध्यायब्राह्मणम्	I. अथर्ववेदः
B. विश्वामित्रनदीसंवादः	II. सामवेदः
C. मैत्रायणीसंहिता	III. यजुर्वेदः
D. सांमनस्यसूक्तम्	IV. ऋग्वेदः

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. A-I, B-II, C-IV, D-III
2. A-III, B-I, C-II, D-IV
3. A-IV, B-II, C-I, D-III
4. A-II, B-IV, C-III, D-I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47385] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q71**
2[Option ID=47386]
3[Option ID=47387]
4[Option ID=47388]

Sl. No.72
QBID:25072

समुचितं मेलयत -

सूची I	सूची II
A. अकलङ्कदेवः	I. न्यायदर्शनम्
B. धर्मोत्तरः	II. मीमांसादर्शनम्
C. जयन्तभट्टः	III. बौद्धन्यायः
D. पार्थसारथिः	IV. जैनन्यायः

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. A-III, B-I, C-II, D-IV
2. A-I, B-II, C-IV, D-III
3. A-IV, B-III, C-I, D-II
4. A-II, B-IV, C-III, D-I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47389] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q72**
2[Option ID=47390]
3[Option ID=47391]
4[Option ID=47392]

Sl. No.73
QBID:25073

यथोचितं मेलयत -

सूची I	सूची II
A. अज्ञानसमष्टिः	I. जगत्कारणम्
B. अज्ञानसमष्टि-उपहित-चैतन्यम्	II. उपरतिः
C. विहितानां कर्मणां विधिना परित्यागः	III. सुषुप्तिः
D. श्रवणादिव्यतिरिक्तविषयेभ्य इन्द्रियाणां निवर्तनम्	IV. दमः

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. A-IV, B-III, C-I, D-II
2. A-II, B-IV, C-III, D-I
3. A-I, B-II, C-IV, D-III
4. A-III, B-I, C-II, D-IV

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47393] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q73**
2[Option ID=47394]
3[Option ID=47395]
4[Option ID=47396]

Sl. No.74
QBID:25074

यथोचितं मेलयत -

सूची I	सूची II
A. आलयविज्ञानप्रवृत्तिविज्ञानप्रवाहः	I. संस्कारस्कन्धः
B. सविषयाणि इन्द्रियाणि	II. विज्ञानस्कन्धः
C. रूपस्कन्धविज्ञानस्कन्धेतिस्कन्धद्वयसम्बन्धजन्यः सुखादिप्रत्ययप्रवाहः	III. वेदनास्कन्धः
D. वेदनास्कन्धनिबन्धनाः रागद्वेषादयः क्लेशाः उपक्लेशाश्च मदमानादयः धर्माधर्मौ च	IV. रूपस्कन्धः

समुचितं विकल्पं चिनुत -

1. A-II, B-IV, C-III, D-I
2. A-I, B-III, C-IV, D-II
3. A-III, B-II, C-I, D-IV
4. A-IV, B-I, C-II, D-III

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47397] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q74**
2[Option ID=47398]
3[Option ID=47399]
4[Option ID=47400]

Sl. No.75
QBID:25075

यथोचितं मेलयत -

सूची I	सूची II
A. पर्जन्यो जपम् अनु प्रावर्षत्	I. हीनम्
B. नदीम् अनु अवसिता सेना	II. लक्षणम्
C. अनु हरिं सुराः	III. भागः
D. लक्ष्मीः हरिम् अनु	IV. तृतीयार्थः

समुचितं विकल्पं चिनुत -

1. A-II, B-IV, C-I, D-III
2. A-IV, B-III, C-II, D-I
3. A-I, B-II, C-III, D-IV
4. A-III, B-I, C-IV, D-II

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47401] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q75**
2[Option ID=47402]
3[Option ID=47403]
4[Option ID=47404]

Sl. No.76
QBID:25076

समीचीनं मेलयत -

सूची I	सूची II
A. उपादानलक्षणा	I. गौर्वाहीकः
B. लक्षणलक्षणा	II. कुन्ताः प्रविशन्ति
C. सारोपा लक्षणा	III. आयुरेवेदम्
D. साध्यवसाना लक्षणा	IV. गङ्गायां घोषः

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-III, B-IV, C-II, D-III
3. A-IV, B-I, C-III, D-II
4. A-II, B-IV, C-I, D-III

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47405] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q76**
2[Option ID=47406]
3[Option ID=47407]
4[Option ID=47408]

Sl. No.77
QBID:25077

यथोचितं मेलयत -

सूची I	सूची II
A. द्वाविंशति-सर्गात्मकम्	I. शिशुपालवधम्
B. विंशति-सर्गात्मकम्	II. रघुवंशमहाकाव्यम्
C. एकोनविंशति-सर्गात्मकम्	III. किरातार्जुनीयम्
D. अष्टादश-सर्गात्मकम्	IV. नैषधीयचरितम्

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. A-III, B-I, C-IV, D-II
2. A-II, B-III, C-I, D-IV
3. A-I, B-IV, C-III, D-II
4. A-IV, B-I, C-II, D-III

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47409] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q77**
2[Option ID=47410]
3[Option ID=47411]
4[Option ID=47412]

Sl. No.78
QBID:25078

अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत -

तालिका I	तालिका II
A. स्वप्नवासवदत्ते	I. धीवरवृत्तान्तः
B. अभिज्ञानशाकुन्तले	II. लवकुशवृत्तान्तः
C. मृच्छकटिके	III. लावाणकग्रामप्रसंगः
D. उत्तररामचरिते	IV. शर्वलिकचौर्यवृत्तान्तः

समुचितं विकल्पं चिनुत -

1. A-I, B-III, C-II, D-IV
2. A-IV, B-II, C-III, D-I
3. A-III, B-I, C-IV, D-II
4. A-II, B-IV, C-I, D-III

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47413] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q78**
2[Option ID=47414]
3[Option ID=47415]
4[Option ID=47416]

Sl. No.79
QBID:25079

यथोचितं मेलयत -

सूची I (वस्तु-ग्रहीतृविशेषेण वा)	सूची II (वृद्धिः)
A. धान्यानाम्	I. विंशकं शतम्
B. कान्तारगानाम्	II. त्रिगुणा
C. सामुद्राणाम्	III. अष्टगुणा
D. रसस्य	IV. दशकं शतम्

समुचितं विकल्पं चिनुत -

1. A-II, B-IV, C-I, D-III
2. A-IV, B-II, C-III, D-I
3. A-IV, B-I, C-III, D-II
4. A-III, B-II, C-IV, D-I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47417] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q79**
2[Option ID=47418]
3[Option ID=47419]
4[Option ID=47420]

Sl. No.80
QBID:25080

वेदक्रमेण गृह्यसूत्राणि योजयत -

A. जैमिनीयगृह्यसूत्रम्

B. मानवगृह्यसूत्रम्

C. शांखायनगृह्यसूत्रम्

D. कौशिकगृह्यसूत्रम्

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. B, C, A, D
2. C, D, A, B
3. C, B, A, D
4. D, A, B, C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47421] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q80**
2[Option ID=47422]
3[Option ID=47423]
4[Option ID=47424]

Sl. No.81
QBID:25081

गुणवाद-अनुवाद-भूतार्थवादवाक्यानि एव एतत्क्रमेण योजनीयानि -

A. दध्ना जुहोति

B. आदित्यो युपः

C. बर्हिषि रजतं न देयम्

D. अग्निः हिमस्य भेषजम्

E. इन्द्रः वृत्राय वज्रम् उदयच्छत्

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. A, B, C
2. B, C, D
3. B, D, E
4. C, D, E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47425] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q81**
2[Option ID=47426]
3[Option ID=47427]
4[Option ID=47428]

Sl. No.82
QBID:25082

ज्योतिष्टोमस्य त्रीन् पशुयागान् एव क्रमेण योजयत -

A. आहवनीयः

B. अग्नीषोमीयः

C. गार्हपत्यः

D. सवनीयः

E. आनुबन्ध्यः

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. A, B, C
2. C, D, E
3. B, D, E
4. D, A, B

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47429] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q82**
2[Option ID=47430]
3[Option ID=47431]
4[Option ID=47432]

Sl. No.83
QBID:25083

अधोलिखितेषु-नियमसूत्रम्, रुक्-रिक्-रीक्धिायकं सूत्रं, लोपविधायकं सूत्रम्, नुम्-विधायकं सूत्रम् इत्येवंक्रमेण व्यवस्थापयत -

A. रमेरशब्लिटोः

B. यस्य हलः

C. ऋतश्च

D. नित्यं कौटिल्ये गतौ

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. A, B, C, D
2. B, C, D, A
3. C, D, A, B
4. D, C, B, A

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47433] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q83**
2[Option ID=47434]
3[Option ID=47435]
4[Option ID=47436]

Sl. No.84
QBID:25084

अधोलिखितेषु प्रत्ययेषु कृत्यप्रत्ययः, अपत्यार्थक- तद्धितप्रत्ययः, मत्वर्थतद्धितप्रत्ययः, स्त्रीप्रत्ययः - एवंक्रमेण व्यवस्थापयत -

A. फक्

B. अनीयर्

C. ऊङ्

D. लच्

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. D, C, A, B
2. A, B, C, D
3. B, A, D, C
4. C, D, B, A

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47437] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q84**
2[Option ID=47438]
3[Option ID=47439]
4[Option ID=47440]

Sl. No.85
QBID:25085

काव्यप्रयोजनानि एव कालक्रमेण नियोजयत -

A. धर्मार्थकाममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च। करोति कीर्तिं प्रीतिञ्च साधुकाव्यनिबन्धनम्।।

B. शब्दार्थौ सहितौ वक्र-कविव्यापारशालिनी। बन्धे व्यवस्थितौ तद्विदाह्लादकारिणी।।

C. चतुर्वर्गफलप्राप्तिः सुखादल्पधियामपि। काव्यादेव यतस्तेन तत्स्वरूपं निरूप्यते।।

D. तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावलङ्कृती पुनः क्वापि।

E. काव्यं यशसेऽर्थकृते शिवेतरक्षयते। सद्यः परनिर्वृतये कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे।।

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. A, C, D
2. B, C, E
3. C, D, E
4. A, E, C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47441] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q85**
2[Option ID=47442]
3[Option ID=47443]
4[Option ID=47444]

Sl. No.86
QBID:25086

शुकनाशोपदेशे कथितान् अविनयाचारान् एव क्रमेण नियोजयत -

A. अभिनवयौवनत्वम्

B. अप्रतिमरूपत्वम्

C. अनुज्झितधवलत्वम्

D. अमानुषशक्तित्वम्

E. गर्भेश्वरत्वम्

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. B, C, D, E
2. E, A, B, D
3. A, B, C, D
4. A, C, D, E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47445] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q86**
2[Option ID=47446]
3[Option ID=47447]
4[Option ID=47448]

Sl. No.87
QBID:25087

अर्थशास्त्रस्य एतानि दण्डनीतिविषये कथनानि एव क्रमेण योजयत -

A. रक्षितविवर्धिनी

B. शुद्धस्य प्रतिपादिनी

C. अलब्धलाभार्था

D. लब्धपरिरक्षणी

E. प्रबन्धरक्षणी

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. A, C, E
2. C, D, A
3. B, C, A
4. C, D, E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47449] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q87**
2[Option ID=47450]
3[Option ID=47451]
4[Option ID=47452]

Sl. No.88
QBID:25088

तिथिनामानि ज्योतिषशास्त्रानुसारेण नियोजयत -

A. भद्रा

B. रिक्ता

C. पूर्णा

D. नन्दा

E. जया

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. D, A, E, B, C
2. B, C, D, E, A
3. D, E, C, B, A
4. C, A, B, D, E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47453] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q88**
2[Option ID=47454]
3[Option ID=47455]
4[Option ID=47456]

Sl. No.89
QBID:25089

अधोलिखितं कथनद्वयं पठित्वा समुचितम् उत्तरं चिनुत -

अभिकथनम् :- गोपशौण्डिकशैलूषरजकव्याधयोषिताम् ऋणं तत्पतिः दद्यात्।

हेतुः - यस्मात् तेषां जीवनं योषिदधीनम्।

यथोचितम् उत्तरं चिनुत -

1. उभयं कथनं सत्यम्। द्वितीयं कथनं प्रथमस्य कथनं समुचितः हेतुः।
2. उभयं कथनं सत्यम् किन्तु द्वितीयं कथनं प्रथमस्य कथनं अनुचितः हेतुः।
3. प्रथमं कथनं सत्यम् किन्तु द्वितीयं असत्यम्।
4. प्रथमं कथनम् असत्यम् किन्तु द्वितीयं सत्यम्।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47457] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q89**
2[Option ID=47458]
3[Option ID=47459]
4[Option ID=47460]

Sl. No.90
QBID:25090

अधोलिखितं मन्त्रद्वयं पठित्वा उत्तरं चिनुत -

कथनम्। - अहं रुद्राय धनुरातनोमि ---। इति वाक्सूक्तस्य मन्त्रः।

कथनम्॥ - 'यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवम्' इति अग्निसूक्तस्य मन्त्रः।

यथोचितं विकल्पं चिनुत -

1. प्रथमं एवं द्वितीयं कथनम् सत्यम्
2. प्रथमे कथनम् द्वितीय कथनं च असत्यम्
3. प्रथमं कथनम् सत्यम्, द्वितीनं असत्यम्
4. प्रथमं कथनम् असत्यम्, द्वितीयं सत्यम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47461] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q90**
2[Option ID=47462]
3[Option ID=47463]
4[Option ID=47464]

Sl. No.91
QBID:25091

अधोलिखित गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम उत्तराणि चिनुत -

कर्मजन्यफलस्वाम्यबोधको विधिरधिकारविधिः। कर्मजन्यफलस्वाम्यं कर्मजन्यफलभोक्तृत्वम्। स च 'यजेत स्वर्गकामः' इत्यादिरूपः। स्वर्गमुद्दिश्य यागं विदधतानेन स्वर्गकामस्य यागजन्यफलभोक्तृत्वं प्रतिपाद्यते। 'यस्याहिताग्नेरग्निर्गृहान् दहेत् सोऽग्नये क्षामवतेऽष्टाकपालं निर्वपेत्' इत्यादिनाऽग्निदाहादौ निमित्ते कर्म विदधता निमित्तवतः कर्मजन्यपापक्षयरूपफलस्वाम्यं प्रतिपाद्यते। एवं 'अहरहः सन्ध्यामुपासीत' इत्यादिना शुचिविहितकालजीविनः सन्ध्योपासनजन्यप्रत्यवायपरिहाररूपफलस्वाम्यं बोध्यते। तच्च फलस्वाम्यं तस्यैव योऽधिकारविशिष्टः। अधिकारश्च स एव यद् विधिवाक्येषु पुरुषविशेषणत्वेन श्रूयते। यथा काम्ये कर्मणि फलकामना, नैमित्तिके कर्मणि निमित्तनिश्चयः, नित्ये सन्ध्योपासनादौ शुचिविहितकालजीवित्वम्। अत एव 'राजा राजसूयेन स्वाराज्यकामो यजेत' इत्यनेन विधिवाक्येन स्वाराज्यमुद्दिश्य विदधतापि न स्वाराज्यमात्रकामस्य तत्फलभोक्तृत्वं प्रतिपाद्यते, किन्तु राज्ञः सतः स्वाराज्याकामस्यैव, राजत्वस्याप्यधिकारिविशेषणत्वेन श्रवणात्।

कः राजसूययागस्य फलं प्राप्नोति?

1. यो राजत्वेन विहीनःसन् केवलं स्वाराज्यकामनया युक्तो भवति सः
2. यो कोऽपि राजसूययागं करोति स सर्वः तज्जन्यफलस्य भोक्ता भवति।
3. यो राजाऽप्यस्ति स्वाराज्याप्राप्तेः कामनाया युक्तोऽप्यस्ति सः।
4. यः स्वर्गकामनावान् सन् नित्यं यागं करोति सः।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47465] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q91**
2[Option ID=47466]
3[Option ID=47467]
4[Option ID=47468]

Sl. No.92
QBID:25092

अधोलिखित गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम उत्तराणि चिनुत -

कर्मजन्यफलस्वाम्यबोधको विधिरधिकारविधिः। कर्मजन्यफलस्वाम्यं कर्मजन्यफलभोक्तृत्वम्। स च 'यजेत स्वर्गकामः' इत्यादिरूपः। स्वर्गमुद्दिश्य यागं विदधतानेन स्वर्गकामस्य यागजन्यफलभोक्तृत्वं प्रतिपाद्यते। 'यस्याहिताग्नेरग्निर्गृहान् दहेत् सोऽग्नये क्षामवतेऽष्टाकपालं निर्वपेत्' इत्यादिनाऽग्निदाहादौ निमित्ते कर्म विदधता निमित्तवतः कर्मजन्यपापक्षयरूपफलस्वाम्यं प्रतिपाद्यते। एवं 'अहरहः सन्ध्यामुपासीत' इत्यादिना शुचिविहितकालजीविनः सन्ध्योपासनजन्यप्रत्यवायपरिहाररूपफलस्वाम्यं बोध्यते। तच्च फलस्वाम्यं तस्यैव योऽधिकारविशिष्टः। अधिकारश्च स एव यद् विधिवाक्येषु पुरुषविशेषणत्वेन श्रूयते। यथा काम्ये कर्मणि फलकामना, नैमित्तिके कर्मणि निमित्तनिश्चयः, नित्ये सन्ध्योपासनादौ शुचिविहितकालजीवित्वम्। अत एव 'राजा राजसूयेन स्वाराज्यकामो यजेत' इत्यनेन विधिवाक्येन स्वाराज्यमुद्दिश्य विदधतापि न स्वाराज्यमात्रकामस्य तत्फलभोक्तृत्वं प्रतिपाद्यते, किन्तु राज्ञः सतः स्वाराज्याकामस्यैव, राजत्वस्याप्यधिकारिविशेषणत्वेन श्रवणात्।

प्रत्यवायस्य परिहारः फलम् अस्ति -

1. यः क्षामवते अग्नये अष्टाकपालं निर्वपति|
2. यो मन्त्रान् परित्यज्य प्रत्यहम् अग्निहोत्रकर्म करोति|
3. सन्ध्योपासनरूपकर्मणः फलम् अस्ति|
4. कामनाशून्यः सन् य यत् कर्म क्रियते तस्य फलं भवति प्रत्यवायपरिहारः|

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47469] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q92**
2[Option ID=47470]
3[Option ID=47471]
4[Option ID=47472]

Sl. No.93
QBID:25093

अधोलिखित गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम उत्तराणि चिनुत -

कर्मजन्यफलस्वाम्यबोधको विधिरधिकारविधिः। कर्मजन्यफलस्वाम्यं कर्मजन्यफलभोक्तृत्वम्। स च 'यजेत स्वर्गकामः' इत्यादिरूपः। स्वर्गमुद्दिश्य यागं विदधतानेन स्वर्गकामस्य यागजन्यफलभोक्तृत्वं प्रतिपाद्यते। 'यस्याहिताग्नेरग्निर्गृहान् दहेत् सोऽग्नये क्षामवतेऽष्टाकपालं निर्वपेत्' इत्यादिनाऽग्निदाहादौ निमित्ते कर्म विदधता निमित्तवतः कर्मजन्यपापक्षयरूपफलस्वाम्यं प्रतिपाद्यते। एवं 'अहरहः सन्ध्यामुपासीत' इत्यादिना शुचिविहितकालजीविनः सन्ध्योपासनजन्यप्रत्यवायपरिहाररूपफलस्वाम्यं बोध्यते। तच्च फलस्वाम्यं तस्यैव योऽधिकारविशिष्टः। अधिकारश्च स एव यद् विधिवाक्येषु पुरुषविशेषणत्वेन श्रूयते। यथा काम्ये कर्मणि फलकामना, नैमित्तिके कर्मणि निमित्तनिश्चयः, नित्ये सन्ध्योपासनादौ शुचिविहितकालजीवित्वम्। अत एव 'राजा राजसूयेन स्वाराज्यकामो यजेत' इत्यनेन विधिवाक्येन स्वाराज्यमुद्दिश्य विदधतापि न स्वाराज्यमात्रकामस्य तत्फलभोक्तृत्वं प्रतिपाद्यते, किन्तु राज्ञः सतः स्वाराज्याकामस्यैव, राजत्वस्याप्यधिकारिविशेषणत्वेन श्रवणात्।

निमित्ते कर्मणि पुरुषविशेषणत्वेन किं श्रूयते?

1. फलभावना
2. शुचिविहितकालजीवित्वम्
3. निमित्तनिश्चयः
4. यागजन्यफलभोक्तृत्वम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47473] Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q93
2[Option ID=47474]
3[Option ID=47475]
4[Option ID=47476]

Sl. No.94
QBID:25094

अधोलिखित गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम उत्तराणि चिनुत -

कर्मजन्यफलस्वाम्यबोधको विधिरधिकारविधिः। कर्मजन्यफलस्वाम्यं कर्मजन्यफलभोक्तृत्वम्। स च 'यजेत स्वर्गकामः' इत्यादिरूपः। स्वर्गमुद्दिश्य यागं विदधतानेन स्वर्गकामस्य यागजन्यफलभोक्तृत्वं प्रतिपाद्यते। 'यस्याहिताग्नेरग्निर्गृहान् दहेत् सोऽग्नये क्षामवतेऽष्टाकपालं निर्वपेत्' इत्यादिनाऽग्निदाहादौ निमित्ते कर्म विदधता निमित्तवतः कर्मजन्यपापक्षयरूपफलस्वाम्यं प्रतिपाद्यते। एवं 'अहरहः सन्ध्यामुपासीत' इत्यादिना शुचिविहितकालजीविनः सन्ध्योपासनजन्यप्रत्यवायपरिहाररूपफलस्वाम्यं बोध्यते। तच्च फलस्वाम्यं तस्यैव योऽधिकारविशिष्टः। अधिकारश्च स एव यद् विधिवाक्येषु पुरुषविशेषणत्वेन श्रूयते। यथा काम्ये कर्मणि फलकामना, नैमित्तिके कर्मणि निमित्तनिश्चयः, नित्ये सन्ध्योपासनादौ शुचिविहितकालजीवित्वम्। अत एव 'राजा राजसूयेन स्वाराज्यकामो यजेत' इत्यनेन विधिवाक्येन स्वाराज्यमुद्दिश्य विदधतापि न स्वाराज्यमात्रकामस्य तत्फलभोक्तृत्वं प्रतिपाद्यते, किन्तु राज्ञः सतः स्वाराज्याकामस्यैव, राजत्वस्याप्यधिकारिविशेषणत्वेन श्रवणात्।

'यजेत स्वर्गकामः' इत्येतत् वाक्यं कं पदार्थम् उद्दिश्य कर्म विदधाति?

1. निमितम् उद्दिश्य निमित्तकर्म विदधाति।
2. शुचिविहितकालजीवित्वम् उद्दिश्य नित्यं कर्म विदधाति।
3. स्वाराज्यम् उद्दिश्य सन्ध्योपासनं विदधाति।
4. स्वर्गम् उद्दिश्य यागजन्यफलभोक्तृत्वं विदधाति।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47477] Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q94
2[Option ID=47478]
3[Option ID=47479]
4[Option ID=47480]

Sl. No.95
QBID:25095

अधोलिखित गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम उत्तराणि चिनुत -

कर्मजन्यफलस्वाम्यबोधको विधिरधिकारविधिः। कर्मजन्यफलस्वाम्यं कर्मजन्यफलभोक्तृत्वम्। स च 'यजेत स्वर्गकामः' इत्यादिरूपः। स्वर्गमुद्दिश्य यागं विदधतानेन स्वर्गकामस्य यागजन्यफलभोक्तृत्वं प्रतिपाद्यते। 'यस्याहिताग्नेरग्निर्गृहान् दहेत् सोऽग्नये क्षामवतेऽष्टाकपालं निर्वपेत्' इत्यादिनाऽग्निदाहादौ निमित्ते कर्म विदधता निमित्तवतः कर्मजन्यपापक्षयरूपफलस्वाम्यं प्रतिपाद्यते। एवं 'अहरहः सन्ध्यामुपासीत' इत्यादिना शुचिविहितकालजीविनः सन्ध्योपासनजन्यप्रत्यवायपरिहाररूपफलस्वाम्यं बोध्यते। तच्च फलस्वाम्यं तस्यैव योऽधिकारविशिष्टः। अधिकारश्च स एव यद् विधिवाक्येषु पुरुषविशेषणत्वेन श्रूयते। यथा काम्ये कर्मणि फलकामना, नैमित्तिके कर्मणि निमित्तनिश्चयः, नित्ये सन्ध्योपासनादौ शुचिविहितकालजीवित्वम्। अत एव 'राजा राजसूयेन स्वाराज्यकामो यजेत' इत्यनेन विधिवाक्येन स्वाराज्यमुद्दिश्य विदधतापि न स्वाराज्यमात्रकामस्य तत्फलभोक्तृत्वं प्रतिपाद्यते, किन्तु राज्ञः सतः स्वाराज्याकामस्यैव, राजत्वस्याप्यधिकारिविशेषणत्वेन श्रवणात्।

'कर्मजन्यफलस्वाम्य'मिति पदस्य पर्यायरूपं पदं भवति-

1. राजत्वम्
2. पापक्षयरूपस्वाम्यम्
3. कर्मजन्यफलभोक्तृत्वम्
4. पुरुषविशेषणत्वम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47481] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q95**
2[Option ID=47482]
3[Option ID=47483]
4[Option ID=47484]

Sl. No.96
QBID:25096

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि चिनुत-

'कलिङ्गः साहसिकः' इत्यादौ कलिङ्गादिशब्दो देशविशेषादिरूपे स्वार्थेऽसम्भवन् यया शब्दस्य शक्त्या स्वसंयुक्तान् पुरूषादीन् प्रत्यायति यया च गङ्गायां घोषः इत्यादौ गङ्गादिशब्दो जलमयादिरूपार्थवाचकत्वात् प्रकृतेऽसम्भवन् स्वस्य सामीप्यादिसम्बन्धसम्बन्धिनं तटादि बोधयति सा शब्दस्यार्पिता स्वाभाविकेतरा ईश्वरानुद्भाविता वा शक्तिर्लक्षणा नाम। पूर्वत्र हेतू रुढिः प्रसिद्धीरेव। उत्तरत्र 'गङ्गातटे घोषः' इति प्रतिपादनादलभ्यस्य शीतत्वपावनत्वातिशयस्य बोधनरूपं प्रयोजनम्। हेतुं विनापि यस्य कस्यचित् सम्बन्धिनो लक्षणेऽतिप्रसङ्गः स्यादित्यत्र उक्तम्। रुढेः प्रयोजनादवापि इति। केचित् तु "कर्मणि कुशलः" इति रुढावुदाहरन्ति। तेषाम् अयम् अभिप्रायः "कुशं लाति" इति व्युत्पत्तिलभ्यः कुशग्राहिरूपो मुख्योऽर्थः प्रकृतेऽसम्भवन् विवेचकत्व साधर्म्यसम्बन्ध सम्बन्धिनं दक्षसूपमधी बोधयति, तदन्ये न मन्यन्ते| कुशग्राहिरुपार्थस्य व्युत्पत्तिलभ्यत्त्वेऽपि दक्षरूपस्यैव मुख्यार्थत्वात्।

'कलिङ्गः साहसिकः' इति उदाहरणम् अस्ति -

1. रुढि-लक्षणायाः
2. प्रयोजनवतीलक्षणायाः
3. व्यञ्जनायाः
4. तात्पर्यवृत्तेः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47485] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q96**
2[Option ID=47486]
3[Option ID=47487]
4[Option ID=47488]

Sl. No.97
QBID:25097

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि चिनुत-

'कलिङ्गः साहसिकः' इत्यादौ कलिङ्गादिशब्दो देशविशेषादिरूपे स्वार्थेऽसम्भवन् यया शब्दस्य शक्त्या स्वसंयुक्तान् पुरूषादीन् प्रत्यायति यया च गङ्गायां घोषः इत्यादौ गङ्गादिशब्दो जलमयादिरूपार्थवाचकत्वात् प्रकृतेऽसम्भवन् स्वस्य सामीप्यादिसम्बन्धसम्बन्धिनं तटादि बोधयति सा शब्दस्यार्पिता स्वाभाविकेतरा ईश्वरानुद्भाविता वा शक्तिर्लक्षणा नाम। पूर्वत्र हेतू रुढिः प्रसिद्धीरेव। उत्तरत्र 'गङ्गातटे घोषः' इति प्रतिपादनादलभ्यस्य शीतत्वपावनत्वातिशयस्य बोधनरूपं प्रयोजनम्। हेतुं विनापि यस्य कस्यचित् सम्बन्धिनो लक्षणेऽतिप्रसङ्गः स्यादित्यत्र उक्तम्। रुढेः प्रयोजनादवापि इति। केचित् तु "कर्मणि कुशलः" इति रुढावुदाहरन्ति। तेषाम् अयम् अभिप्रायः "कुशं लाति" इति व्युत्पत्तिलभ्यः कुशग्राहिरूपो मुख्योऽर्थः प्रकृतेऽसम्भवन् विवेचकत्व साधर्म्यसम्बन्ध सम्बन्धिनं दक्षसूपमधी बोधयति, तदन्ये न मन्यन्ते| कुशग्राहिरुपार्थस्य व्युत्पत्तिलभ्यत्त्वेऽपि दक्षरूपस्यैव मुख्यार्थत्वात्।

'कलिङ्गः साहसिकः' इत्यत्र 'कलिङ्ग' शब्दस्य लाक्षणिकत्वे हेतुरस्ति -

1. अर्थबोधः
2. प्रयोजनम्
3. शीतत्वपावनत्वादिकम्
4. रूढिः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47489] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q97**
2[Option ID=47490]
3[Option ID=47491]
4[Option ID=47492]

Sl. No.98
QBID:25098

अधोलिखितं गद्याशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि चिनुत-

'कलिङ्गः साहसिकः' इत्यादौ कलिङ्गादिशब्दो देशविशेषादिरूपे स्वार्थेऽसम्भवन् यया शब्दस्य शक्त्या स्वसंयुक्तान् पुरूषादीन् प्रत्यायति यया च गङ्गायां घोषः इत्यादौ गङ्गादिशब्दो जलमयादिरूपार्थवाचकत्वात् प्रकृतेऽसम्भवन् स्वस्य सामीप्यादिसम्बन्धसम्बन्धिनं तटादि बोधयति सा शब्दस्यार्पिता स्वाभाविकेतरा ईश्वरानुद्भाविता वा शक्तिर्लक्षणा नाम। पूर्वत्र हेतू रुढिः प्रसिद्धीरेव। उत्तरत्र 'गङ्गातटे घोषः' इति प्रतिपादनादलभ्यस्य शीतत्वपावनत्वातिशयस्य बोधनरूपं प्रयोजनम्। हेतुं विनापि यस्य कस्यचित् सम्बन्धिनो लक्षणेऽतिप्रसङ्गः स्यादित्यत्र उक्तम्। रुढेः प्रयोजनादवापि इति। केचित् तु "कर्मणि कुशलः" इति रुढावुदाहरन्ति। तेषाम् अयम् अभिप्रायः "कुशं लाति" इति व्युत्पत्तिलभ्यः कुशग्राहिरूपो मुख्योऽर्थः प्रकृतेऽसम्भवन् विवेचकत्व साधर्म्यसम्बन्ध सम्बन्धिनं दक्षसूपमधी बोधयति, तदन्ये न मन्यन्ते| कुशग्राहिरुपार्थस्य व्युत्पत्तिलभ्यत्वेऽपि दक्षरूपस्यैव मुख्यार्थत्वात्।

'कुशलः' इत्यस्य 'कुशग्राही' इत्ययमर्थः वर्तते -

1. व्यञ्जनया लभ्यमानः अर्थः
2. व्युत्पत्त्या लभ्यमानः अभिधाबोध्य अर्थः
3. लक्षणया लभ्यमानः अर्थः
4. तात्पर्यवृत्त्या बोध्यमानः अर्थः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47493] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q98**
2[Option ID=47494]
3[Option ID=47495]
4[Option ID=47496]

Sl. No.99
QBID:25099

अधोलिखितं गद्याशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि चिनुत-

'कलिङ्गः साहसिकः' इत्यादौ कलिङ्गादिशब्दो देशविशेषादिरूपे स्वार्थेऽसम्भवन् यया शब्दस्य शक्त्या स्वसंयुक्तान् पुरूषादीन् प्रत्यायति यया च गङ्गायां घोषः इत्यादौ गङ्गादिशब्दो जलमयादिरूपार्थवाचकत्वात् प्रकृतेऽसम्भवन् स्वस्य सामीप्यादिसम्बन्धसम्बन्धिनं तटादि बोधयति सा शब्दस्यार्पिता स्वाभाविकेतरा ईश्वरानुद्भाविता वा शक्तिर्लक्षणा नाम। पूर्वत्र हेतू रुढिः प्रसिद्धीरेव। उत्तरत्र 'गङ्गातटे घोषः' इति प्रतिपादनादलभ्यस्य शीतत्वपावनत्वातिशयस्य बोधनरूपं प्रयोजनम्। हेतुं विनापि यस्य कस्यचित् सम्बन्धिनो लक्षणेऽतिप्रसङ्गः स्यादित्यत्र उक्तम्। रुढेः प्रयोजनादवापि इति। केचित् तु "कर्मणि कुशलः" इति रुढावुदाहरन्ति। तेषाम् अयम् अभिप्रायः "कुशं लाति" इति व्युत्पत्तिलभ्यः कुशग्राहिरूपो मुख्योऽर्थः प्रकृतेऽसम्भवन् विवेचकत्व साधर्म्यसम्बन्ध सम्बन्धिनं दक्षसूपमधी बोधयति, तदन्ये न मन्यन्ते| कुशग्राहिरुपार्थस्य व्युत्पत्तिलभ्यत्वेऽपि दक्षरूपस्यैव मुख्यार्थत्वात्।

सत्यं कथनमस्ति -

1. ग्रन्थकारः अभिधावृत्तिम् अर्पितां वदति
2. ग्रन्थकारः लक्षणावृत्तिम् अर्पितां स्वाभाविकेतराम् ईश्वरानुद्भावितां च वदति|
3. ग्रन्थकारः सर्वाः वृत्तीः अर्पिताः स्वाभाविकेतराः ईश्वरानुद्भाविताः च वदति|
4. ग्रन्थकारः काव्यमात्रम् अर्पितं स्वाभाविकेतरम् ईश्वरानुद्भाविनं वदति|

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47497] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q99**
2[Option ID=47498]
3[Option ID=47499]
4[Option ID=47500]

Sl. No.100
QBID:250100

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि चिनुत-

'कलिङ्गः साहसिकः' इत्यादौ कलिङ्गादिशब्दो देशविशेषादिरूपे स्वार्थेऽसम्भवन् यया शब्दस्य शक्त्या स्वसंयुक्तान् पुरूषादीन् प्रत्यायति यया च गङ्गायां घोषः इत्यादौ गङ्गादिशब्दो जलमयादिरूपार्थवाचकत्वात् प्रकृतेऽसम्भवन् स्वस्य सामीप्यादिसम्बन्धसम्बन्धिनं तटादि बोधयति सा शब्दस्यार्पिता स्वाभाविकेतरा ईश्वरानुद्भाविता वा शक्तिर्लक्षणा नाम। पूर्वत्र हेतू रुढिः प्रसिद्धीरेव। उत्तरत्र 'गङ्गातटे घोषः' इति प्रतिपादनादलभ्यस्य शीतत्वपावनत्वातिशयस्य बोधनरूपं प्रयोजनम्। हेतुं विनापि यस्य कस्यचित् सम्बन्धिनो लक्षणेऽतिप्रसङ्गः स्यादित्यत्र उक्तम्। रुढेः प्रयोजनादवापि इति। केचित् तु "कर्मणि कुशलः" इति रुढावुदाहरन्ति। तेषाम् अयम् अभिप्रायः "कुशं लाति" इति व्युत्पत्तिलभ्यः कुशग्राहिरूपो मुख्योऽर्थः प्रकृतेऽसम्भवन् विवेचकत्व साधर्म्यसम्बन्ध सम्बन्धिनं दक्षसूपमधी बोधयति, तदन्ये न मन्यन्ते| कुशग्राहिरुपार्थस्य व्युत्पत्तिलभ्यत्त्वेऽपि दक्षरूपस्यैव मुख्यार्थत्वात्।

कलिङ्गादिशब्दस्य अभिधावृत्त्या लभ्यः अर्थः अस्ति -

1. कलिङ्गदेशसंयुक्तः पुरुषः
2. शीतत्वम्
3. सामीप्यादिसम्बन्धः
4. देशविशेषादिः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=47141] **Question Description : dwbv_pg_sans_sans_2_q100**
2[Option ID=47142]
3[Option ID=47143]
4[Option ID=47144]